हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, रविवार 8 फरवरी 2026

[भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर]

तापमान

अधिकतम 30.2 डिग्री

न्यूनतम 14.8 डिग्री

14 तेज हवा ने 10 सेकंड में उड़ा दिया पंडाल कार्यक्रम को करना पड़ गया स्थगित

खबर संक्षेप

धारदार हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

भिलाई। धारदार हथियार के साथ युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि सुपेला पुलिस द्वारा टाउन पेट्रोलिंग एवं अपराध जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर भिलाई नगर रेलवे स्टेशन रोड क्षेत्र में रमण मोहल्ला, सुपेला निवासी अभय गजभिये को पकड़ा गया। उसके पास से पुलिस ने धारदार लोहे का चापड़ जब्त किया है।

तेज आवाज में बजा रहे थे डीजे, हुई कार्रवाई

भिलाई। कोलाहल अधिनियम के तहत चेकिंग के दौरान पुलिस ने कार्रवाई किया है। पुलिस ने बताया कि धन्वंतरी अस्पताल के सामने अग्रसेन चौक, नेहरू नगर में चेकिंग चल रही थी। डीजे वाहन सार्वजनिक स्थान पर बिना सक्षम अनुमति के बजा रहा था। पुलिस मौके पर पहुंची और डीजे संचालक द्वारा वैध अनुमति पेश नहीं करने पर कार्रवाई की गई। ग्राम हथबंद डोंगकरिया, तहसील सिमगा, जिला बलौदा बाजार निवासी मालिकराम जैसवाल को पकड़ा गया। उसके पास से डीजे सिस्टम वाहन बरामद किया गया।

मकान में चोरी करने वाली महिला से 3.42 लाख का सामान जब्त

भिलाई। मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपए का सामान पार करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मोहन नगर पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर बंद मकान में चोरी की घटना को अंजाम देकर नवापारा, शीतला मंदिर के पास दुर्ग निवासी महिला जागेश्वरी मार्कण्डेय को पकड़ा गया। महिला से पूछताछ करने पर पति के साथ मिलकर मकान में चोरी करना स्वीकार किया।

एमबीयू में अब तक नहीं हो पाई एंट्री, जिले के 16 हजार विद्यार्थियों की नहीं बन पाई अपार आईडी

अपार आईडी से जोड़ी जाएगी स्कॉलरशिप, पुस्तक वितरण और गणवेश जैसी सुविधाएं, छात्र से जुड़ी पूरी जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर होगी उपलब्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

दुर्ग जिले में 1727 स्कूलों के 3 लाख 44 हजार 837 विद्यार्थियों का अपार आईडी कार्ड बनाया जाना है। अब तक 3लाख 27 हजार 277 आईडी जनरेट हो चुकी है। मगर अभी भी 15926 विद्यार्थी ऐसे हैं जिनके अपार आईडी कार्ड नहीं बन पाए हैं। ऐसे में जिन विद्यार्थियों के अभी भी अपार आईडी नहीं बने हैं उनमें ऐसे विद्यार्थी ज्यादा हैं जिनका आधार कार्ड पेंडिंग है या आधार वेरिफिकेशन होना बाकी है। इससे शिक्षकों की परेशानी भी बढ़ गई है। अपार आईडी के लिए यू-डाइस पोर्टल में जानकारी दर्ज की जा रही है। इसमें छात्रों के आधार कार्ड और पहचान पत्र का मिलान किया जाएगा।

वेरीफिकेशन के बाद अपार आईडी कार्ड जनरेट होगा। इसके बाद एक यूनिक नंबर जारी किया जाएगा। जिसमें सभी दस्तावेज ऑनलाइन उपलब्ध रहेंगे। अब स्कॉलरशिप, बुक बैंक के तहत पुस्तक वितरण और गणवेश जैसी सुविधाएं अपार आईडी से जोड़ी जा रहीं हैं। जिन विद्यार्थियों का अपार आईडी नहीं बन पाया, वे इन लाभों से वंचित हो सकते हैं।

आधार में दर्ज जानकारी दाखिल खारिज से अलग

जन्मतिथि और नाम में त्रुटि के चलते छात्रों की परेशानी बढ़ गई है। अपार आईडी जनरेट करने के लिए बच्चों का नाम और दाखिल खारिज रजिस्टर आधार व स्कूल के यू डाइस से मिलान नहीं खा रहा है। जिले में भी ऐसे ही विद्यार्थी हैं जिनके अपार आईडी के आवेदन रिजेक्ट हो चुके हैं।

ब्लॉकवार आधार वेरीफिकेशन की स्थिति

ब्लॉक	एमबीयू	पेंडिंग
0	5 से 15 साल	15 साल से अधिक
धमधा	2126	1005
दुर्ग ग्रामीण	1996	731
दुर्ग शहर	4088	1962
पाटन	2604	1414
कुल	10814	5112

निजी स्कूलों का सबसे ज्यादा आधार वेरीफिकेशन नहीं

दुर्ग जिले के 622 निजी स्कूलों के विद्यार्थियों का आधार वेरीफिकेशन होना है। सरकारी स्कूलों के बजाय निजी स्कूलों में यह कार्य बेहद सुस्त चाल से हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक निजी स्कूलों के 10 हजार 397 विद्यार्थियों का एमबीयू में एंट्री नहीं हो पाई है। जबकि 1105 सरकारी स्कूलों के 5 हजार 529 विद्यार्थियों का एमबीयू में एंट्री नहीं हो पाई है। बिना एमबीयू में एंट्री के आधार कार्ड विद्यार्थियों को जनरेट नहीं हो सकते।

12 अंकों का होगा नंबर

अपार आईडी एक यूनिक डिजिटल पहचान होगी। यह डीजी लॉकर के लिंक से जुड़ी रहेगी। अपार आईडी का डिजिटल नंबर 12 अंकों का होगा। इस कार्ड में विद्यार्थियों के सभी जरूरी दस्तावेज और डेटा सुरक्षित होगा। इसका फायदा यह होगा कि छात्रों को मार्कशीट या अन्य कागजात साथ लेकर चलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यात्रा के दौरान या बाहर रहने पर केवल डिजिटल नंबर से ही दस्तावेजों की जांच हो सकेगी।

अपार आईडी कार्ड बनने के फायदे

अपार आईडी कार्ड बन जाने से अब छात्रों को कोई भी राज्यों व देश में जाने पर अपने साथ ओरिजनल दस्तावेज ले जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एक्सीडेंट होने, टूर पर जाने पर 12 अंक के यूनिक नंबर से छात्र की पूरी जानकारी मिल जाएगी। किसी भी जगह से यूनिक आईडी कार्ड से विद्यार्थियों के संबंध में सभी जानकारी एकत्र कर सकेंगे। इससे छात्रों को मदद मिलेगी।

5 से 15 साल वाले विद्यार्थियों की ज्यादा संख्या

आधार वेरीफिकेशन कार्य 5 से 15 साल और 15 साल से अधिक ऐसे दो वर्गों में किया जाना है। 5 से 15 साल के विद्यार्थियों का सबसे ज्यादा आधार वेरीफिकेशन होना बाकी है। इस आयु वर्ग के 10 हजार 814 विद्यार्थियों का एमबीयू में एंट्री नहीं हो पाई है। 15 साल से अधिक आयु वर्ग के 5 हजार 112 विद्यार्थियों का आधार वेरीफिकेशन के बिना अपार आईडी जनरेट नहीं हो पाया है।

लगातार चल रहा है कार्य

आधार वेरीफिकेशन का कार्य लगातार चल रहा है। जिन विद्यार्थियों का आधार कार्ड पहले से बन चुका है उनका वेरीफिकेशन हो रहा है। बायोमिट्रिक टेस्ट कर रहे हैं। एमबीयू में एंट्री भी चल रही है। कुछ ही बाकी है।

-अरविंद कुमार मिश्रा, डीईओ

वाहनों के मैकेनिक समेत आरोपी गिरफ्तार, 7 लाख का सामान जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

वाहन चोरी मामले में पुलिस ने चार युवकों को गिरफ्तार किया है। एएसपी मणिशंकर चंद्रा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पदमनाभपुर पुलिस ने दो पहिया वाहन चोरी करने वाले मुख्य आरोपी उरला दामाद पारा निवासी विजय देवांगन को गिरफ्तार किया है। आरोपी करीब 15 वर्षों से बाइक मैकेनिक का काम कर रहा था। अपने हुनर का गलत इस्तेमाल करते हुए चोरी की वारदातों को अंजाम दिया करता था। जांच में पता चला कि आरोपी विजय देवांगन क्षेत्र में घूम-घूमकर अलग-अलग स्थानों से बाइक और स्कूटी चोरी करता था। चोरी के बाद वह वाहनों को अपने घर ले जाकर हेक्जा ब्लेड औजारों से काट देता था। इसके बाद लोहे और एल्युमिनियम के पाट्र्स अलग कर फेरी वालों और लोकल कबाड़ियों के जरिए बेचा करता था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वार्ड 57 मूर्रा भठ्ठी मोहन नगर सोनू गुप्ता, उमेश गुप्ता, मितान चौक सुभाष नगर पदमनाभपुर मोहम्मद खान को पकड़ा गया। आरोपियों से पुलिस ने दो पहिया वाहनों के कटे हुए पार्टस जब्त किया गया। पूछताछ में आरोपी ने 10 वाहन को चोरी करना स्वीकार किया है। आरोपियों ने पद्मनाभपुर, सिटी कोतवाली दुर्ग और मोहन नगर थाना का है। आरोपियों से पुलिस ने 7 लाख रुपये का सामान जब्त किया गया है। जब्त वाहनों में हीरो डीलक्स बाइक, एक्टिवा स्कूटी और कई दो पहिया वाहनों के कटे हुए लोहे व एल्युमिनियम पाट्र्स बरामद किया गया।

साईं इंफ्रा में कर्मी की मौत, 40 लाख मुआवजे लिए प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

साईं इंफ्रा (इंड़िया) प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में अचानक चक्कर आकर

गिरने से कर्मी की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है। भिलाई तीन पुलिस ने बताया कि हथखोज स्थित साईं इंफ्रा में ग्राम ढौर जामुल निवासी उपेन्द्र साहू काम करता था। काम करते समय अचानक चक्कर आकर उपेन्द्र गिर पड़ा। घटना सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई। मौजूद लोगों ने उपेन्द्र को तुरंत अस्पताल उपचार के लिए भेजा गया। जहां उसकी मौत हो गई। परिजनों को घटना की सूचना मिलने पर फैक्ट्री के सामने लोगों ने जमकर प्रदर्शन कर मृतक को 40 लाख रुपए मुआवजा की मांग प्रबंधन से किया। भिलाई-3 पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंचकर प्रदर्शन समाप्त कराने का प्रयास किया। शव को पीएम के लिए भेजा गया लेकिन उसका रिपोर्ट भी नहीं मिल पाया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण को बताया जा सकता है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है। खबर लिखे जाने तक मुआवजा को लेकर बातचीत चल रहा था।

मां-बेटी ट्रेलर के चपेट में आए, मासूम की मौत

भिलाई। बेटी को स्कूल छोड़ने जा रही महिला को ट्रेलर चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए दोनों को चपेट में लिया। घटना में बेटी की मौत हो गई। मां को उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है। खुर्सीपार पुलिस ने बताया कि 3 फरवरी को सेक्टर 10 स्कूल छोड़ने क्वार्टर नंबर 9/उ, सड़क 37, जोन-02 खुर्सीपार निवासी किरण जांगडे अपनी बेटी श्रेया जांगड़े सुबह जा रही थी। इस दौरान पावर हाउस आईटीआई के पास तेज रफ्तार से आ रहे ट्रेलर सीजी 04 एचबी 3911 के चालक ने उल्टी दिशा से आकर मां-बेटी को जोरदार मार दी थी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोंगो की मदद से उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। किरण रोज अपनी बेटी को स्कूल छोड़ने और लाने जाती थी। घटना की सुबह भी होंडा शोरूम के पास पावर हाउस ओवर ब्रिज के नीचे पहुंची। तभी भिलाई की तरफ से तेज रफ्तार में ट्रेलर आया और चपेट में लिया। किरण स्कूटी सीजी 07 सीवाई 9360 में सवार थी। ट्रेलर ने सीधे सामने से ठोकर मार दिया। हादसे में मां और बेटी को निजी अस्पताल सुपेला लेकर जाया गया था। जहां से श्रेया को स्पर्श अस्पताल रेफर किया गया। उपचार के दौरान बेटी 3 फरवरी की रात मौत हो गई। मामले में पुलिस ने शव का पंचनामा कर पीएम कराया।

युवकों के साथ मारपीट, अपराध दर्ज

भिलाई। शादी कार्यक्रम से घर लौट रहे युवकों के साथ अज्ञात ने जान से मारने की धमकी देकर मारपीट की। दुर्ग कोतवाली पुलिस ने बताया कि पोटिया चौक दुर्ग निवासी चोकेश साहू तारा स्पोटर्स एकेडमी आदर्श नगर में केयर टेयर का काम करता है। 6 फरवरी को शादी कार्यक्रम में गया जहां खाना खाने के बाद सोमेन्द्र घर छोड़ने के लिए बाहर निकल रहा था। रात 11.30 बजे गंजमंडी प्रागंण में ही अज्ञात युवकों ने सोमेन्द्र साहू को बाइक की डिमांड करने लगे मना करने पर आरोपियों द्वारा गाली गलौज करने लगे। घटना में सोमेन्द्र को दाहिने जांघ में चोट आई।

पटाक्षेप कलेक्टर, आयुक्त, बीपीसीएल और कुरूदवासियों के बीच चर्चा के बाद निर्णय

विरोध के बाद कंप्रेस्ड बॉयोगैस प्लांट की बदलेगी जगह

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

कुरूद बस्ती वार्ड 22 में कंप्रेस्ड बॉयोगैस प्लांट का पिछले 21 दिनों से चल रहे विरोध के बाद स्थल परिवर्तन करने की सहमति बनी है। शनिवार को प्रदर्शनकारियों के साथ कलेक्टर, बीपीसीएल के अधिकारी, निगम आयुक्त भिलाई के साथ बैठक हुई।

बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि बॉयोगैस प्लांट दूसरी जगह पर स्थापित किया जाए। स्थल चयन के लिए कलेक्टर अभिजीत सिंह ने निगम आयुक्त राजीव पांडेय को निर्देश दिए हैं।

एमआईसी में बिना पारित आया यह मुद्दा

कुरूद की पार्षद अनिता साहू, पार्षद नेहा साहू, उषा शर्मा और अंजू सिन्हा का प्रतिनिधि मंडल कलेक्टोरेट पहुंचा। उन्होने चर्चा के दौरान कलेक्टर को बताया कि कंप्रेस्ड बॉयोगैस प्लांट की स्थापना नियम के हिसाब से नहीं हो रहा है। एमआईसी में बॉयोगैस स्थापना का प्रस्ताव लाया ही नहीं गया। सीधे सामान्य सभा में यह मुद्दा रखा गया। इसलिए जहां भी प्लांट की स्थापान हो पहले एमआईसी में प्रस्ताव लाया जाए। उसके बाद सामान्य सभा से इसे पारित करवाएं। इससे स्थानीय पार्षदों व अन्य पार्षदों का भी राय सामने आएगी।

स्थल परिवर्तन के लिए अड़े रहे प्रदर्शनकारी

प्रदर्शनकारी कलेक्टर अभिजीत सिंह और मौजूदा अधिकारियों के बची स्थल परिवर्तन के लिए अड़े रहे। बैठक में बीपीसीएल के अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की कि बॉयोगैस प्लांट से प्रदूषण का खतरा नहीं है। प्रोसेस ऐसी होती है कि लोगों को परेशानी नहीं आएगी। आयुक्त पांडेय ने कहा कि स्थल परिवर्तन करने से ट्रांसपोर्टिंग खर्च अधिक आएगा । पार्षदों ने कहा कि पूरे शहर में कंप्रेस्ड बॉयोगैस प्लांट शहर से बाहर होते हैं। रहवासी इलाके से प्लांट की दूरी 250 से 300 मीटर की होनी चाहिए। यहां 10 मीटर की दूरी पर लोगों का घर है। हर रोज 20 कचरा गाड़ी आएगी और कचरा डंप होगा। डंप कचरे के प्रोसेस में समय लगेगा। इससे बदबूयुक्त वातावरण उत्पन्न होगा। लोगों के सेहत पर असर पड़ेगा।

चक्काजाम के बाद हुई सुनवाई

कंप्रेस्ड बॉयोगैस स्थापना को लेकर शुकवार को महिलाओं और लोगों ने कुरूद से बोगदा पुलिया को जाने वाली रोड में चक्का जाम कर दिया। लोग लगभग दो घंटे तक चक्का जाम कर प्रदर्शन करते रहे। जाम की सूचना मिलते ही सीएसपी छावनी और जामुल थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। लोग निगम कमश्निर राजीव पाण्डेय को बुलाने पर अड़े रहे। एक घंटे बाद आयुक्तए जोन 2 की आयुक्त येशा लहरे के साथ वहां पहुंचे। उन्होंने लोगों को समझाईश दीए लेकिन प्रदर्शनकारियों ने उनकी एक नहीं सुनी।

शिक्षा के क्षेत्र में भिलाई बना राष्ट्रीय स्तर का एजुकेशन हब

इस्पात ही नहीं रोजगारोन्मुखी शिक्षा से ट्विनसिटी की बन रही है देशभर में खास पहचान

इस्पात नगरी भिलाई जितना यहां के स्टील प्लांट के लिए देशभर में मशहूर है वैसे ही एजुकेशन हब के रूप में भी इसकी पहचान पूरे देश में है। भिलाई को एजुकेशन सिटी भी कहा जाता है क्योंकि यहाँ के स्कूल और कॉलेज देशभर में अपनी गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध हैं। भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी यानी बीआईटी , श्री शंकराचार्य कॉलेज, आईआईटी, स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भारती यूनिवर्सिटी, रूगंटा कॉलेज, बी.एम. कालेज, दिल्ली पब्लिक स्कूल दुर्ग, देहली पब्लिक स्कूल भिलाई , श्री शंकरा विद्यालय सेक्टर-10, हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल, मैत्री विद्या निकेतन जैसे संस्थान इसे एक शिक्षा केंद्र बनाते हैं। यहां चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज और श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज हैं। शैक्षणिक संस्थानों में एक्सपर्ट टीचर, शिक्षण का आधुनिक सिस्टम , प्रायोगिक लैब, आवासायी हॉस्टल की सुविधाएं, खेल, स्कील डेवलपमेंट सहित संसाधनों से लैस होने की वजह से यहां से विद्यार्थी पूरे देश में एजुकेशन हब भिलाई का नाम रौशन कर रहे हैं।

मेडिकल कॉलेज में 500 सीटें

दुर्ग-भिलाई में मेडिकल कॉलेजों में पांच सौ सीटें हैं। डॉक्टर बनने की ललक रखने वालों के लिए यहां भरपूर संभावनाओं के द्वार खुले हुए हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर दाखिला प्रक्रिया के दौरान भिलाई के कॉलेज को प्राथमिका मिलते ही एमबीबीएस और बीडीएस के स्टूडेंट्स राहत की सांस लेते हैं। यहां के माहौल को सबसे ज्यादा पढ़ाई के लिए बेहतर माना जाता है। मौजूदा समय में शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज और चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज में 150-150 एमबीबीएस की सीट है। इसी तरह डेंटल के मामले में संजय रूंगटा डेंटल कॉलेज और अंजोरा मैत्री डेंटल कॉलेज में 100-100 सीट है। इस आधार पर दुर्ग-भिलाई में एमबीबीएस और बीडीएस में कुल 500 सीट है।

दर्जनों ब्रांच ने बना दी है अलग पहचान

कॉलेजों की बात की जाए तो रूंगटा कॉलेज ने इंटरनेशनल पहचान दिलाने का मौका नहीं छोड़ा है। बीडीएस के दर्जनों ब्रांच की वजह से यहां एडमिशन लेने की दिलचस्पी ज्यादा होती है। श्री शंकराचार्य, मंत्री डेंटल कॉलेज और चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज से पढ़कर निकलने वाले स्टूडेंट्स देशभर के अलग-अलग शहरों में बेहतर प्रैक्टिस कर रहे हैं। इंटरनेशनल पहचान नौ से ज्यादा ब्रांचों और बेहतर पढ़ाई के बल पर बन सकी है।

आईआईटी के बाद अब नीट से बढ़ा रुतबा

पिछले कई सालों से आईआईटी में दाखिला लेने वालों में भिलाई के बच्चों का अलग मुकाम रहा है। लगातार यह संख्या बढ़ती जा रही है। बुनियादी शिक्षा का स्तर बेहतर होने से ही यह संभव हो सका है। पिछले दिनों भिलाई स्टील के संचालित स्कूल के अलावा प्राइवेट स्कूलों के बच्चों ने जेईई की परीक्षा पास कर भिलाई का गौरव बढ़ाया था। अब एक बार फिर गौरव बढ़ाने का मौका है। इस बार भिलाई के बजाय देशभर के बच्चे नीट क्लियर करने के बाद भिलाई में एडमिशन लेकर इसका महत्व बढ़ाएंगे।

मेडिकल में यहां के ज्यादातर विद्यार्थियों का चयन होता है। भिलाई कोचिंग सेंटर है। इसलिए बाहर से ज्यादातर यहां पढ़ाई करते हैं। नीट और आईआईटी ने रुतबा बढ़ाया है।

अब तो कोटा भी मानने लगा भिलाई का लोहा

इंजीनियरिंग के बाद अब मेडिकल कॉलेज से एजुकेशन हब का सपना पूरा हुआ है। कोटा में भिलाई का नाम है। वहां के लोगों का फीडबैक लेने पर पता चला कि भिलाई की पढ़ाई को लोग वहां महत्व देते हैं। कोटा वालों की ही नजर में इस वक्त सबसे बड़ा सेंटर भिलाई माना जा रहा है। कोटा के कोचिंग संचालकों का कहना है भिलाई ही सबसे बड़ा सेंटर है। यह अपने आप में भिलाई की पढ़ाई और इंजीनियरिंग व मेडिकल कॉलेज के प्रति बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

जानिए आखिर भिलाई ही क्यों है पसंद

- स्थानीय के अलावा बाहर से आकर यहां पढ़ने वालों में टैलेंट की कमी नहीं होती।
- इंजीनियरिंग की तरह सीटें नहीं हैं, बावजूद करीब चार प्रतिशत हिस्सेदारी मेडिकल की पढ़ाई के मामले में देशभर में अकेला भिलाई दे रहा है।
- लघु भारत का कल्चर होने से पढ़ाई का माहौल भी बेहतर है। सभी राज्यों के बच्चों का प्रतिनिधित्व यहां देखने को मिलता है। हर धर्म-जाति के बच्चों की हिस्सेदारी से संस्कृति का भी विस्तार होता है।
- भिलाई अपनी शक्ति का खुद आंकलन पहले नहीं करता था, शायद यही कारण है कि विकास की रफ्तार कुछ देरी से तय की गई। सोचने का नजरिया पहले बदलता तो शायद तेजी से मेडिकल कॉलेजों का भी विकास होता। बदलाव, दिशा और सहयोग की बात की जा रही है, जिससे देश में डंका बजने से कोई रोक नहीं सकता।
- भिलाई के स्कूल अच्छे होने से बच्चों की नींव मजबूत होती है। सभी विषयों खासकर गणित, बायो, कॉमर्स की अच्छी कोचिंग सुविधा होने से पढ़ाई का स्तर सुधरा है।
- प्रतियोगी माहौल, सस्ता आवास और करीब में ही सारी सुविधाएं होने का फायदा छात्रों को भरपूर मिलता है। पीजी हॉस्टल, पेइंग गेस्ट का रेट महानगरों की तुलना में यहां सस्ता है।

आईआईटी भिलाई में ऐसे होते हैं एडमिशन

आईआईटी भिलाई में छात्रों की संख्या वर्तमान में 1,500 से बढ़कर 3,000 हो जाएगी.। इसके साथ ही 300 से अधिक फैकल्टी और ऑफिस स्टाफ की भर्ती होगी। जिससे शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यहां बी टेक कोर्स में एडमिशन पूरी तरह नेशनल लेवल के एंट्रेंस एग्जाम के आधार पर होता है। बीटेक कोर्स में एडमिशन लेने के लिए जेईई एडवांस एग्जाम पास करना पड़ता है। जेईई एडवांस्ड में मिले रैंक के बेसिस पर काउंसलिंग के जरिए सीट अलॉट की जाती है। गेट स्कोर के आधार पर एमटेक कोर्स में एडमिशन दिया जाता है।

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानन्द तकनीकी विश्वविद्यालय भारत के छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिले के भिलाई शहर में स्थित तकनीकी विश्वविद्यालय है। सीएसवीटीयू की स्थापना तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के हाथों 30 जुलाई 2005 को हुई थी। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानन्द तकनीकी विश्वविद्यालय से संबद्ध राज्य में 45 इंजीनियरिंग महाविद्यालय, एक आर्किटेक्चर महाविद्यालय, 38 पॉलीटेक्निक और 11 फार्मेसी महाविद्यालय शामिल हैं।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, पूर्ववर्ती दुर्ग विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना 24 अप्रैल 2015 को जारी अधिसूचना के साथ की गई है। विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में पांच जिलों- दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, राजनांदगांव, मानपुर मोहला, और कबीरधाम हैं। इन जिलों के के 50 सरकारी और 68 गैर सरकारी महाविद्यालय शामिल किए गए हैं।

कंटेंट : देवीलाल साहू

प्रशिक्षण और सेवा से संवर रहा चिकित्सा के क्षेत्र में भविष्य

आई.पी. मिश्रा
चेयरमेन
श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, दुर्ग

"डॉक्टर का पेशा केवल एक रोजगार नहीं, बल्कि समाज सेवा और मानवता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी माना जाता है। डॉक्टर बनने के बाद व्यक्ति केवल अपने लिए नहीं जीता, बल्कि अपनी योग्यता और सेवा भावना से दूसरों को नई जिंदगी देने का कार्य करता है। उसकी कुशलता और सही समय पर लिया गया निर्णय किसी मरीज की जान बचा सकता है, वहीं थोड़ी सी लापरवाही या चूक गंभीर परिणाम भी ला सकती है। इसी सोच और जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए संस्थान में योग्य और दक्ष डॉक्टर तैयार करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रबंधन का मानना है कि एक अच्छा डॉक्टर बनने के लिए केवल किताबों का ज्ञान ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि आधुनिक संसाधन, व्यवहारिक प्रशिक्षण और बेहतर चिकित्सा सुविधाओं का अनुभव भी आवश्यक होता है। इसी उद्देश्य से प्रत्येक छात्र-छात्रा को आधुनिक उपकरणों, प्रयोगशालाओं और अनुभवी शिक्षकों की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि वे चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।"

भारती ग्रुप की खास पहचान शिक्षा के क्षेत्र में

सुशील चंद्राकर
कुलाधिपति
भारती विश्व विद्यालय
दुर्ग

"दुर्ग शहर में शिक्षा के क्षेत्र में जाना-पहचाना नाम भारती ग्रुप ऑफ कॉलेज, पुलगांव चौक दुर्ग अपनी ख्याति के शिखर को छू रहा है। जिसकी स्थापना वर्ष 1997 में आईटीआई कॉलेज से हुई। शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढते हुए छत्तीसगढ़ में वर्ष 2000 में प्रथम निजी भारती कृषि महाविद्यालय प्रारंभ किया गया। जिससे राज्य के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण कृषि शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान हुआ है। शिक्षा के इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक, बीएड, बीएएमएस, फार्मेसी, नर्सिंग कॉलेज प्रारंभ कर सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। शैक्षणिक स्तर पर सतत विकास में सकारात्मक योगदान देने एवं उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग स्थापित कर शिक्षा को नये आयाम तक पहुंचाया है। जिसके संचालन के लिए ईमानदारी से मेहनत कर पर्याप्त समय दे रहे हैं। सुशील चंद्राकर ने एक कृषक पुत्र होने का एक अच्छा किरदार निभाया है। वह शिक्षा के क्षेत्र में अपने योगदान से संतुष्ट हैं। लेकिन आज भी मुख्य रूप से कृषि का कार्य करने में अलग ही आनंद आता है।"

कृष्णा पब्लिक स्कूल में जारी है सफलता की परंपरा

आनंद त्रिपाठी
डायरेक्टर
के.पी.एस. ग्रुप

"कृष्णा पब्लिक स्कूल न केवल दुर्ग भिलाई बल्कि प्रदेश में एक सर्वोत्तम शैक्षणिक संस्थानों में शुमार है। नेहरू नगर भिलाई , पुलगांव दुर्ग, उतई, कुठेलाभाठा, रायपुर, आरंग, कोनी, नर्मदानगर बिलासपुर और राजनांदगांव में ये शैक्षणिक संस्थान संचालित हो रहे हैं। कक्षा 12वीं एवं 10वीं बोर्ड में हर साल यहां के विद्यार्थी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शत- प्रतिशत परीक्षा परिणाम लाते रहे हैं। बोर्ड परीक्षाओं की एक्सपर्ट टीचरों द्वारा विद्यार्थियों को कोचिंग दी जाती है। विद्यार्थियों को परिसर में ही सभी शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा छात्रावास, लाइब्रेरी, अत्याधुनिक लैब और स्कील डेवलपेंट जैसी सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही है।

विद्यार्थी तनावमुक्त होकर अपना लक्ष्य हासिल करते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में केपीएस के विद्यार्थी सफलता हासिल कर रहे हैं। जिसकी वजह से स्कूल से आगे की पढ़ाई आसान हो जाती है। छत्तीसगढ़ में अपनी अलग पहचान रखता है कृष्णा पब्लिक स्कूल।"

भिलाई में अपनी एक अलग पहचान बना रहा मनसा कॉलेज

संजीव सक्सेना
डायरेक्टर
मनसा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट

"भिलाई (छत्तीसगढ़) स्थित मनसा कॉलेज ऑफ एजुकेशन की स्थापना वर्ष 2002 में हुई थी। यह एक निजी शिक्षण संस्थान है, जो भिलाई के कुरूद क्षेत्र में स्थित है। यह कॉलेज एनसीटीई नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त है। यह कॉलेज बी.एड., एमएड, बी.पी.ई.डी., बी.ए., बी.कॉम, टेक्निकल कोर्सेस- पॉलिटेक्निक, इलेक्ट्रिकल, मैक्निकल, एम.ओ.एम., आई.जी.आई.-फिटर, इलेक्ट्रिशियन, कोपा कोर्स की शिक्षा प्रदान करता है।

इस संस्थान में एक्सपर्ट टीचरों द्वारा विद्यार्थियों को अध्यापन करवाया जाता है। यह शैक्षणिक संस्थान शिक्षा के मापदंडों पर खरा उतरने वाला कॉलेज है।

पूर्ण सुविधाओं से लैस होने की वजह से यहां विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्रदान की जाती है।

कोर्सेस पूरा करने के बाद यहां के विद्यार्थी सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्र में चयनित हो रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में काफी ज्यादा विद्यार्थी इस कॉलेज से पढ़ने वाले होते हैं।"

मैत्री संस्थान से निकल रहे होनहार विद्यार्थी

सजीव सुधाकरण
डायरेक्टर
एम.ई.सी.ए.

"भिलाई मैत्री एजुकेशनल एंड कल्चरल एसोसिएशन की स्थापना वर्ष 1988 में हुई। मैत्री विद्या निकेतन स्कूल से शुरू हुआ सफर आज शिक्षा के क्षेत्र में जाना-पहचाना नाम है। रिसाली क्षेत्र में इस एसोसिएशन के द्वारा वर्तमान में तीन स्कूल और एक कॉलेज संचालित किए जा रहे हैं।

एसोसिएशन के डायरेक्टर एस. सुधाकरण बताते हैं कि दो स्कूल सीबीएसई संबंद्धता के बारहवीं तक संचालित हैं। एक स्कूल नन्हे बच्चों का प्री- प्राइमरी का है। इस संस्थान की खासियत है कि गरीब वर्ग के प्रतिभावान बच्चों और मेधावी विद्यार्थियों को स्कालरशिप प्रदान करना और उन्हे जेईई, नीट जैसे प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग मुहैया करवाते हैं। यहां के अधिकांश बच्चे बोर्ड परीक्षाओं में 90 प्रतिशत या इससे अधिक अंक अर्जित करते हैं। सीए, पायलट और अन्य क्षेत्रों में यहां से पढ़कर निकलने वाले विद्यार्थी सफल रहे हैं। खेल के क्षेत्र में नेशनल स्तर पर यहां के विद्यार्थियों ने अपनी भागीदारी दी हैं। कॉलेज में बीएड, डीएड और एमएड के कोर्स चलाए जा रहे हैं।"

नये आयाम स्थापित किये गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में

बृजमोहन उपाध्याय
डायरेक्टर
हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल

"ट्विनसिटी में हैरिटेज इंटरनेशनल स्कूल शैक्षणिक क्षेत्र में एक अलग ही पहचान बना रहा है। 18 नवंबर 2006 को बच्चों को शिक्षा और संस्कृति देने के मकसद से एक किराए के भवन में इसकी शुरूआत की। सिद्धि विनायक इंफ्रा स्ट्रक्चर एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित इस स्कूल का स्वयं का भवन 2012 में दुर्ग बायपास रोड पर बना और स्कूल शिफ्ट हुआ। संस्कृत और संस्कृति दोनों से जोड़कर बच्चों को क्रीमलेयर मुकाम तक पहुंचाने में यह संस्थान अग्रणी है।

डायरेक्टर बृजमोहन उपाध्याय, मनीषा तिवारी, सचिव उमाकांत मिश्रा, प्राचार्य दीप्ती तिवारी इस संस्थान की रीढ़ हैं। वे बताते हैं कि वर्तमान में बारहवीं तक विद्यार्थियों को शिक्षा दी जा रही है। यहां के विद्यार्थी मेडिकल, सीए और आईआईटी व दीगर प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित हो चुके हैं। यहां बच्चों से मंहगी फीस भी नहीं ली जाती। प्रतिभावान बच्चों को तराशने में यह शैक्षणिक संस्थान महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। खेल, सोशल गतिविधियों में भी इस स्कूल के विद्यार्थियों की भागीदारी रही है।"

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता की पहचान

एस. स्वामीनाथन
सचिव
श्री शंकरा विद्यालय
सेक्टर-10

"श्री शंकरा विद्यालय (एसएसवी), सेक्टर 10, भिलाई की स्थापना वर्ष 1987 में हुई। यह शैक्षणिक संस्थान सीबीएसई स्कूल है। श्री शंकरा एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा संचालित यह स्कूल कांचीपुरम के जगद्गुरु शंकराचार्य श्री जयेंद्र सरस्वती स्वामींगल द्वारा स्थापित किया गया । यह 196500 वर्ग मीटर में स्थित है और इसे 1992 में सीबीएसई से मान्यता मिली थी। सचिव एस. स्वामीनाथन बताते हैं कि विद्यालय ने 35 विद्यार्थियों से शुरु होकर 4000 विद्यार्थियों का सफर तय किया। इस विद्यालय के विद्यार्थियों ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने स्कूल का नाम रौशन किया है। एक्सपर्ट टीचरों द्वारा विद्यार्थियों को परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाती है। विशेष कोचिंग से लेकर नियमित पढ़ाई की एक अलग शैली यहां विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य पाने में मदद करती है। कल्चरल एक्टिविटीज, सोशल एक्टिविटीज , स्पोर्ट्स , कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में भी इस शैक्षणिक संस्थान की महत्ती भूमिका रही है। यहां के अध्ययरनत विद्यार्थी देशभर के प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित कर रहे हैं।"

छत्तीसगढ़ में फायर सेफ्टी की ट्रेनिंग देने वाला पहला इंस्टीट्यूट

रवि सोनी
चेयरमेन
फायर, सेफ्टी डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट

"फायर, सेफ्टी डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट जो मान्यता प्राप्त फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण कराया जा रहा है, जिसे करने के उपरांत छात्र-छात्राएं अपना रोजगार प्राप्त कर रहे हैं, और अपना भविष्य उज्जवल बना रहे हैं, संस्था गत 2012 से फायर एवं इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट के प्रशिक्षण के रूप में अपनी सेवाएं देते आ रहे हैं, संस्था का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षण उपरांत छात्रों को रोजगार उपलब्ध करवाने में मदद करना है, जिसकी जानकारी देते हुए संस्था के मुख्य प्रबंधक रवि सोनी एवं जनसंपर्क मनोज ठाकरे ट्रेनर एस. एल. धनकर और तपन कुमार विश्वास और रामचंद्र साहू ने बताया की हर वर्ष संस्था में लगभग 50 से 55 छात्र प्रशिक्षण को प्राप्त करते हैं, इस प्रशिक्षण को प्राप्त करने उपरांत भिलाई स्टील प्लांट, ए.सी.सी. सीमेंट, अडानी ग्रुप जामुल भिलाई, एन.एम.डी.सी बचेली जगदलपुर, डी.आर.डी.ओ भारतीय रक्षा मंत्रालय जगदलपुर, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, गन कैरिज फैक्ट्री इटारसी. एयरपोर्ट अमला मध्य प्रदेश. मोनेट इस्पात - गोदावरी इस्पात रायपुर. जिंदल इस्पात रायगढ़. कोरबा वेस्ट पावर प्लांट रायगढ़ जैसी विभिन्न कंपनियों में रोजगार प्राप्त कर चुके हैं।"

उदय कॉलेज दे रहा करियर को नई दिशा

डॉ. तीरथ राम साहू
डायरेक्टर
उदय कालेज

"उदय कॉलेज भिलाई नंदिनी रोड जामुल में स्थित है। इस कॉलेज का इतिहास बेहद स्वर्णिम है। वर्ष 2005-06 में इस कॉलेज की स्थापना हुई। स्व. वैध धनुषराम साहू के सपने का यह शैक्षणिक संस्थान है। स्व. धनुष साहू के निधन के बाद उनके पुत्र डॉ. तीरथ राम साहू अपने पिता के सपनों को नई उड़ान देने में जुटे हुए हैं। डायरेक्टर डॉ. साहू बताते हैं कि उदय स्कूल से इसकी शुरूआत वर्ष 1994 में हुई है। इस शैक्षणिक संस्थान ने बहुत की कम समय में भिलाई में अपनी उत्कृष्टता दिखाई। फलस्वरूप 1500 से ज्यादा विद्यार्थी यहां से पढ़कर निकल चुके हैं। विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्रों में अपनी आजीविका चला रहे हैं। कॉलेज में बीएड, बीकाम, बीएसी, पीजीडीसीए, बीए, डिप्लोमा इन योगा जैसे कोर्स चलते हैं। खेल क्षेत्र में भी यहां के विद्यार्थी विभिन्न उच्च स्तरीय प्रतियोगितयों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।"

बीएम कालेज के विद्यार्थियों ने प्रदेश में बनाया रिकॉर्ड

योगेश कुमार साव
चेयरमेन
बी.एम. कॉलेज

"बीएम कॉलेज गोकुलनगर पुलगांव दुर्ग शासकीय आईआईटी के पीछे स्थित है। इस संस्थान की स्थापना वर्ष 2008 में हुई है। श्रीमती भानुमती साव और मुकुंद लाल साव ने इस कॉलेज की नींव रखी। वर्तमान में इस कॉलेज के साव दंपती के सुपुत्र योगेश कुमार साव चेयरमेन हैं। चेयरमेन श्री साव बताते हैं कि बीएम कॉलेज हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी से संबद्धता प्राप्त संस्थान है।

यहां बीसीए बैचलर इन एप्लीकेशन, बीबीए बैचलर इन बिजनेस एडमिट्रेशन, पीजीडीसीए, बीएड जैसे कोर्स चल रहे हैं। बीएम प्राइवेट आईटीआई भी संचालित किए जा रहे हैं। इसकी स्थापना वर्ष 2015 में की गई। यह संस्थान एनसीवीटी नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त है। इसके अंतर्गत छह तरह के कोर्स की पढ़ाई हो रही है। कोपा कंप्यूटर, इलेक्ट्रीशियन, स्टेनो हिन्दी, डीजल मैकेनिक, हेल्थ एंड सेनेटरी इंस्पेक्टर, फायर टैक्नोलॉजी एंड इंड्रस्ट्रीयल सेफ्टी मैनेजमेंट के कोर्स होते हैं। यहां के विद्यार्थियों ने वर्ष 2023- 2024 में स्टेनों हिन्दी और वर्ष 2024-2025 में फायर टैक्नोलॉजी एंड इंड्रस्ट्रीयल मैनेजमेंट में छत्तीसगढ़ प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है।"

आयोजन

मां परमेश्वरी जयंती पर जुटे लोग

जामगांव आर। देवांगन समाज की ओर से मंडल स्तरीय मां परमेश्वरी जयंती समारोह का आयोजन रानीतराई में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि कल्पना नारद साहू सभापति जिला पंचायत दुर्ग थी। वरिष्ठ समाजसेवी नारद साहू, विजय देवांगन मंडल संरक्षक, सत्यनारायण टिकरिया सरपंच ग्राम पंचायत रानीतराई, नरेंद्र देवांगन, गजेंद्र देवांगन,सीताराम देवांगन, रामलाल देवांगन, संतोष साहू अतिथि मंच पर मंचासिन रहे। देवांगन समाज ने मां परमेश्वरी की पूजा अर्चना पश्चात अतिथियों का भव्यता के साथ स्वागत किया। इस दौरान जिला सभापति कल्पना नारद साहू ने कहा कि देवांगन समाज मेहनतकश मिलनसार और व्यवसाय पर अच्छी पकड़ रखने वाला जागरूक समाज है। इस अवसर पर देवांगन समाज के पदाधिकारी दिलीप देवांगन, बिरेंद्र देवांगन, हितेश देवांगन,राधेश्याम देवांगन, धनुराम देवांगन, ठाकुरराम देवांगन, ओमप्रकाश देवांगन,राजेश देवांगन, लोमस, होमलाल, विजय, रामखिलावान, रामलाल, कुसुम देवांगन, अर्चना देवांगन, लीला देवांगन, कोमल देवांगन धनेश्वर देवांगन सहित समस्त देवांगन समाज ग्रामवासी उपस्थित थे।

कार्रवाई

एजेंसियों की जमानत राशि राजसात

हरिभूमि न्यूज ⏭अहिवारा

- नोटिस के बावजूद कार्य में नहीं थी संतोषजनक प्रगति
- चेतावनी भी जारी

नगर पालिका परिषद अहिवारा के अंतर्गत चल रहे विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों को तय समय-सीमा में पूरा नहीं करने पर नगर पालिका ने कड़ा रुख अपनाया है। बार-बार निर्देश और नोटिस देने के बावजूद कुछ कार्य एजेंसियों द्वारा संतोषजनक प्रगति नहीं किए जाने पर नगर पालिका ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उनकी जमानत राशि राजसात कर ली है।

नगर पालिका परिषद अहिवारा द्वारा अमन कंस्ट्रक्शन कंपनी, पटेल ट्रेडर्स एवं सी.आर. कंस्ट्रक्शन की कुल 4 लाख 93 हजार 250 रुपये की सुरक्षा जमा राशि (सिक्योरिटी डिपॉजिट) को राजस्व में जमा करने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। यह कार्रवाई शासकीय नियमों एवं अनुबंध की शर्तों के अनुरूप की गई है।

नगर पालिका प्रशासन का कहना है कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों के खिलाफ आगे भी कठोर कदम उठाए जाएंगे। नगर पालिका परिषद अहिवारा ने सभी ठेकेदारों और कार्य एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा एवं गुणवत्ता मानकों के अनुसार पूर्ण करें, अन्यथा नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विकास कार्यों की सतत निगरानी की जा रही है और किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कार्यक्रम

समाज को जोड़ते हैं मड़ई : कीर्ति

पाटन/सेलूद। जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक अपने प्रभार जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम जामगांव (एम) में मां महामाया की पावन धारा में आयोजित मड़ई मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

समारोह को संबोधित करते हुए श्रीमती नायक ने कहा कि मड़ई जैसे पारंपरिक एवं धार्मिक आयोजन हमारी लोकआस्था, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता के सशक्त प्रतीक हैं। ऐसे आयोजन ग्राम समाज को आपसी भाईचारे के सूत्र में बांधने के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों और परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। इस अवसर पर राजेश चंद्राकर (सांसद प्रतिनिधि), कमलेश चंद्राकर (मंडल अध्यक्ष), सरपंच द्वय रवि सिंगौर एवं राजू साहू, राकेश चंद्राकर और दौलत सिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक सांस्कृतिक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने उत्साहपूर्वक सराहा।

नियुक्ति

मछुवारा प्रकोष्ठ में नई जिम्मेदारी

अंडा। जिला दुर्ग भाजपा मछुवारा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक शिव निषाद, सह संयोजक फेरहा राम धीवर एवम हेमलता निषाद की नियुक्ति प्रदेश भाजपा के द्वारा की गई है। शिव निषाद पूर्व में भाजपा संगठन में दुर्ग ग्रामीण महामंत्री, जिला कार्यसमिति, एवम पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत महमरा का दायित्व निभा चुके हैं। वर्तमान में दुर्ग जिला निषाद समाज क्षेत्रीय अध्यक्ष के रूप में दायित्व निभा रहे हैं। नियुक्ति के पश्चात शिव निषाद ने जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक, एवम जिला नेतृत्व का आभार किया है। शिव निषाद को बधाई देने वालो में पूर्व निषाद समाज जिला अध्यक्ष बद्री प्रसाद पारकर , प्रदेश निषाद समाज के पूर्व ऑडिटर मुन्नी लाल निषाद , प्रदेश निषाद समाज के युवा अध्यक्ष बिरेन्द्र निषाद , दुर्ग जिला निषाद समाज सचिव संतोष जलतारे, दुर्ग जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी सुखदेव देवागन, जिला मंत्री गिरिश साहू, ओ बी सी मोर्चा जिला अध्यक्ष तेखन सिन्हा, जिला उपाध्यक्ष मनोज सोनी, जिला कार्यालय मंत्री राहुल पंडित,वरिष्ठ कार्यकर्ता छत्रपाल साहू , कृष्णा साहू, अजय तिवारी , पूर्व मंडल अध्यक्ष दिनेश देशमुख, हेमंत सिन्हा अंजोरा मंडल अध्यक्ष, चेतन साहू, यामिनी हरमुख मंडल महामंत्री, उपसरपंच अंजोरा माखन साहू एवम अंजोरा सोशल मीडिया प्रभारी विनोद साहू शामिल हैं।

खबर संक्षेप

दुर्ग राज ठेठवार समाज का वार्षिक अधिवेशन आज

उतई। ठेठवार यादव समाज दुर्ग राज का वार्षिक अधिवेशन एवं पारिवारिक मिलन सामारोह 8 फरवरी को मिनी स्टेडियम चंदखुरी हनोदा रोड में आयोजित किया गया है। सुबह 9 से शाम 6 बजे तक चलने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वित्त मंत्री ओ पी चौधरी मौजूद रहेंगे। अध्यक्षता केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव करेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, समाज के प्रांताध्यक्ष गुलेन्द्र यादव, जिला पंचायत सभापति जितेन्द्र यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पुष्पा यादव, उपाध्यक्ष जिला सहकारी बैंक दुर्ग नरेश यादव, रिवेन्द्र यादव, आशा विक्की मिश्रा, गोपाल यादव, सीमा यादव, विधि यादव, कविता यादेश आदि होंगे। राज अध्यक्ष राजकुमार यादव ने बताया कि इस मौके पर सामाजिक विकास को लेकर चिंतन के साथ समाज के प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा।

निधन

शंभू नाथ सिंह

भिलाई। एचएससीएल के पूर्व कर्मी सेक्टर-6, सड़क-77, क्वार्टर- 3 निवासी शंभू नाथ सिंह (78 वर्ष) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार रामनगर मुक्तिधाम में किया गया। वे ममता सिंह, संतोष सिंह, शशिकांत सिंह, शोभा सिंह और संजीव सिंह के पिता, राकेश सिंह और संजीव सिंह के ससुर तथा क्षत्रिय कल्याण सभा भिलाई नगर के अध्यक्ष, भिलाई शहर जिला भाजपा के कोषाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह के बड़े पिता थे। उनके निधन पर क्षत्रिय कल्याण सभा भिलाई नगर ने शोक व्यक्त किया है।

मीना देवी ताम्रकार

दुर्ग। संतरा बाड़ी दुर्ग निवासी भारत लाल ताम्रकार की पत्नी मीना देवी ताम्रकार का शनिवार को हो गया है। उनका अंतिम संस्कार 8 को हरना बांधा मुक्तिधाम दुर्ग में किया जाएगा। वे ज्योति प्रकाश, लव कुश, अमन ताम्रकार की मां और शुभ, शिखा के दादी व लोक गायक कुलेश्वर ताम्रकार की भाभी थीं।

गेंदलाल नंदा

भिलाई। रेलवे के रिटायर इंजीनियर गेंदलाल नंदा (66) का शनिवार की सुबह हार्ट फेल होने से निधन हो गया। उनका अंतिम रविवार को रामनगर मुक्तिधाम में किया जाएगा। उनकी अंतिम यात्रा निवास स्थान मकान नंबर 63/6, सड़क 10 नेहरू नगर पूर्व से सुबह 11 बजे निकलेगी। वे रत्ना नंदा के पति, अंकुर और डौल नंदा के पिता थे।

निर्मला वर्मा

दुर्ग। शिक्षक नगर निवासी नगर निगम दुर्ग की सेवानिवृत्त अध्यापिका निर्मला वर्मा (77 वर्ष) निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को हरनाबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे स्व. सुंदरलाल वर्मा की पत्नी और नागरिक सहकारी बैंक के मुख्य वसूली निरीक्षक शशिकांत वर्मा व रवि वर्मा की मां थी।

तेज हवा ने 10 सेकंड में उड़ा दिया पंडाल कार्यक्रम को करना पड़ गया स्थगित

मौसम की मार के बाद भी कुर्मी समाज का अधिवेशन में एकजुटता का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭अंडा

दिल्लीवार कुर्मी क्षत्रिय समाज छत्तीसगढ़ के तीन दिवसीय अधिवेशन में दूसरे दिन शनिवार दोपहर बाद मात्र 10 सेकंड की तेज हवा ने कार्यक्रम को अस्त व्यस्त कर दिया। पंडाल करीब करीब 5 फीट तक ऊपर उठ गया था, इससे कई पाइप टूट गए। अचानक आई तेज हवा से पंडाल के अंदर अफरा तफरी मच गई, लोगों को पंडाल के बाहर किया गया। साथ ही आगे का कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा।

ग्राम देवरी (ख) में दिल्लीवार कुर्मी क्षत्रिय समाज का तीन दिवसीय आयोजन चल रहा है। शनिवार सुबह कलश यात्रा व मैराथन का आयोजन किया गया। मंचीय कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे समाज के पुरोधाओं की चित्रों पर माल्यार्पण व पूजा अर्चना कर की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, गुण्डरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद, जिला पंचायत बालोद के अध्यक्ष तारिणी पुष्पेंद्र चंद्राकर, जनपद पंचायत गुण्डरदेही के अध्यक्ष पुरुषोत्तम चंद्राकर, प्रसिद्ध नाड़ी वैद्य गुरुदेव वीरेंद्र देशमुख, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, जिला भाजपा अध्यक्ष चेमन देशमुख सहित समाज के सभी पदाधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम चल ही रहा था कि दोपहर लगभग 2: 45 बजे अचानक तेज हवा चली और 10 सेकंड में ही पंडाल के पाइप पंडाल सहित हवा में उड़ने लगे। इसके बाद तत्काल बिजली काटकर लोगों को पंडाल से बाहर किया गया। तेज हवा से कई पाइप टूट गए, इसके चलते पंडाल खड़ा करने में विलंब हुआ और आज का कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा। रात्रि में आयोजित रंग झरोखा का कार्यक्रम भी स्थगित कर दिया गया है। अब यह कार्यक्रम रविवार 8 फरवरी रात्रि में होगा। कार्यक्रम में प्रीती देशमुख प्रांतीय अध्यक्ष महिला समिति, हेमंत देशमुख प्रांतीय अध्यक्ष युवा समिति, दिलीप देशमुख कोषाध्यक्ष, केशव बंटी हरमुख, ललित देशमुख महामंत्री, चुम्मन देशमुख सहायक मंत्री, किशन कार्यालय मंत्री, अशोक भारदीय सर्किल प्रधान, उप प्रधान कपिल देव देशमुख, सचिव महेंद्र दिल्लीवार, कोषाध्यक्ष रामरतन, चिंतामणि सहसचिव, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य ओंकारेश्वर हरमुख, महिला सर्किल अध्यक्ष ईश्वरी बाई देशमुख, उपाध्यक्ष भगवती देशमुख, सचिव श्याम, कोषाध्यक्ष झामीन, सब सचिव चंद्रकांता, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य केंवरा बाई देशमुख, नवयुवक अध्यक्ष तामेश्वर आदि मौजूद थे।

सामाजिक एकता पर दिया बल

इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि एकता में शक्ति में मिलती है। समाज के कर्ज को कोई भी नहीं चुका सकता। हमें समाज की एकता पर ध्यान देना चाहिए। कुंवर सिंह निषाद विधायक गुण्डरदेही ने कहा कि कुर्मी समाज शिक्षित व मेहनतकस समाज है इस समाज से अन्य समाजों को सीखने मिलता है। चेमन देशमुख (जिला भाजपा अध्यक्ष बालोद) ने कहा कि समाज में सभी क्षेत्रों में विकास करने की जरूरत है। ऐसे लोगों को प्रोत्साहित किया जाए जो समाज हित में काम करे,उन्होंने महिला समिति के कार्यों की प्रशंसा की।

सिर्फ पंडाल में ही चली तेज हवा

जिस समय पंडाल के अंदर तेज हवा चली उस समय कई लोग पंडाल में थे, तो वहीं कई लोग पंडाल के बाहर भी थे। जो व्यक्ति पंडाल के बाहर थे उनका कहना है कि बाहर कहीं पर भी हवा नहीं चली। तेज हवा सिर्फ पंडाल के अंदर आई और 10 सेकंड में ही शांत हो गई। पास में भोजनालय है वहां पर मौजूद लोगों ने भी पंडाल को ऊपर उठते देखा, लेकिन हवा के झोंके किसी ने नहीं देखे। इसे लेकर लोग बहुत ही आश्चर्य मान रहे हैं। तेज हवा के शांत होने के बाद उखड़े पंडाल को ठीक करने तत्काल लोग भीड़ गए, क्योंकि रविवार को मुख्य कार्यक्रम है इसलिए पंडाल दुरुस्त करने समाज के लोग सहित पंडाल वाले भी भीड़ गए और देर शाम तक पंडाल ठीक करते रहे।

अंचल की खबरें

मुख्यमंत्री विष्णुदेव का किया स्वागत

उतई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के दुर्ग आगमन पर आत्मीय स्वागत किया गया। दुर्ग की बैठक उपरांत दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के निज निवास पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आगमन हुआ। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ता केशव महिपाल सहित दुर्ग ग्रामीण के भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री साय का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

अंजना को मिला नवाचारी शिक्षक पुरस्कार

कुम्हारी। शिक्षा सागर फाउंडेशन व पारिवारिक वानिकी की ओर से हरित योद्धा सम्मान समारोह कोटा (राजस्थान) में रखा गया। जिसमें देश के 15 राज्यों से आए विभिन्न सर्वश्रेष्ठ नवाचारी शिक्षकों को उनके शैक्षिक नवाचार, सामाजिक सरोकार और पर्यावरणीय चेतना के लिए सम्मानित किया गया। उक्त समारोह में छत्तीसगढ़ राज्य से जजंगिरी की अंजना सिंह को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक कोटा रामचरण मीणा व अन्य लोग थे। यहां सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में शिक्षिका अंजना सिंह व अन्य ने प्रस्तुतियां दी।

डॉ. धुन्ना को ललित कला में डॉक्टरेट की उपाधि

भिलाई। डॉ. मनिंदर सिंह धुन्ना को इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के 17वें दीक्षांत समारोह में ललित कला में डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। इसके पहले डॉ. धुन्ना ने केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय से जूनियर फेलोशिप प्राप्त की है और यूजीसी नेट - जी आर एफ भी क्वालीफाई रहे है। एक प्रतिष्ठित सुपर रियलिटी चित्रकार के रूप में पहचान बना रहे डॉ. धुन्ना ने अनेक प्रसिद्ध कलाकारों के साथ कार्य किया है। वे पद्मश्री से सम्मानित स्वर्गीय राम वी. सुतार द्वारा और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के द्वारा सम्मानित किए जा चुके हैं तथा रज़ा फाउंडेशन से भी जुड़े हुए हैं। उनकी कृतियाँ देश-विदेश की कई कला प्रदर्शनियों में विशेष आकर्षण का केंद्र रही हैं। डॉ. धुन्ना खैरागढ़ राज परिवार के सदस्य भी हैं और वर्तमान में इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के ग्राफिक्स विभाग में कला शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों एवं कला प्रेमियों को निरंतर प्रेरित कर रहे हैं।

महिला उद्यमियों को मालिक बनाने पर केंद्रित है बजट

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

बजट को लेकर दुर्ग जिला महिला मोर्चा के द्वारा महिला संवाद का कार्यक्रम दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में केंद्रीय महिला और बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर मौजूद थी। उन्होंने केन्द्रीय बजट में महिलाओं के लिए किए गए विशेष प्रयास पर चर्चा की।

केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि हम सब जानते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र के साथ काम कर रही है। पीएम मोदी ने नारी शक्ति के सशक्तिकरण के संकल्प ने पूरे देश की सोच को बदल दिया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने करोड़ों बहनों को धुएं से मुक्ति दिलाकर उनके स्वास्थ्य की रक्षा की है। जन-धन योजना के जरिए करोड़ों महिलाओं के बैंक खाते खोलकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया है। मुद्रा योजना के तहत लाखों बहनों को छोटे कारोबार शुरू करने के लिए आसान ऋण उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सके सुकन्या समृद्धि योजना के माध्यम से बेटियों के भविष्य को सुरक्षित किया गया है। मातृ वंदना योजना से गर्भवती महिलाओं एवं स्तनपान कराने वाली माताओं के स्वास्थ्य और पोषण की चिंता की गई है। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए नारी शक्ति वंदन बिल पास किया है।

विकसित भारत की संकल्पना आधारित बजट

भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नौ बार देश का बजट पेश किया और वह भी महिला होते हुए भी यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। 2047 विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए पूरी कार्य योजना को इस बजट के माध्यम से लाया गया है। भारत की जीडीपी बढ़ रही है, जो योजनाएं चल रही है, उसे यथावत रखते हुए कार्य किया जा रहा है। नंदन जैन, विभा अवस्थी ने भी अपनी बात रखी। कार्यक्रम का संचालन ममता राव और आभार प्रदर्शन महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर ने किया।

मेयर नहीं करा पाईं विकास

भिलाई। रिसाली निगम के महापौर के चार साल गुजर चुके है। पांचवा साल शुरू हो चुका है विगत चार वर्ष पूर्व पार्षदो द्वारा चुनकर महापौर के पद का दायित्व दिया गया था। लेकिन महापौर सिर्फ पार्षद के रूप में काम कर रही है। उक्ताशय का आरोप वार्ड 23 रिसाली पार्षद धमेन्द्र भगत ने लगाया है। उन्होंने कहा कि नगर पालिक निगम रिसाली कि महापौर को भी अपना दायित्व नहीं समझ पाई है। महापौर के रूप में उनका कार्यकाल पूरी तरह असफल रहा है। जिसका खामियाजा रिसाली निगम के क्षेत्र में लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

विधायक ललित के घर पहुंचे सीएम साय

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मोहन नगर दुर्ग स्थित विधायक विधायक ललित चंद्राकर के निवास पहुंचे। यहां सीएम साय का परिवारजनों और क्षेत्र की जनता के साथ स्वागत-अभिनंदन किया गया। साथ ही जनसेवा व विकास के प्रति उनके नेतृत्व के लिए आभार व्यक्त किया। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का हमारे निवास पर आगमन सौभाग्य की बात है। उन्होंने हमेशा जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी है और उनके नेतृत्व में राज्य का विकास तेजी से हो रहा है। हम सभी उनके नेतृत्व में राज्य के विकास के लिए निरंतर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस दौरान क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भूमि अधिग्रहण में हो रहे अन्याय के खिलाफ प्रभावित किसान मिले कांग्रेस के जिला अध्यक्ष से

दुर्ग। भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में किसानों के साथ हो रहे गंभीर अन्याय, मुआवजा निर्धारण में मनमानी, सामाजिक प्रभाव आंकलन की अनदेखी, प्रशासनिक दबाव एवं आजीविका छिनने के विरोध में प्रभावित किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने राजीव भवन दुर्ग में जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष राकेश ठाकुर से भेंट-मुलाकात की। किसानों ने स्पष्ट रूप से कहा कि केवल मुआवजा उनकी आजीविका का विकल्प नहीं है, इसलिए भूमि के बदले स्थायी नौकरी, रोज़गार की व्यवस्था की जाए। दुर्ग जिले अंतर्गत ग्राम पुरई, पाऊवारा, चंगोरी, बिरेझर, थनौद, कोनारी, चंदखुरी, भानपुरी, बोरीगारका, करगाडीह, खोपली, घुघसीडीह, कोकड़ी, कोडिया सहित अन्य ग्रामों के किसानों ने बताया कि विभिन्न विकास परियोजनाओं के नाम पर उनकी उपजाऊ कृषि भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है, लेकिन भूमि का मूल्यांकन न तो बाजार दर के अनुसार किया जा रहा है और न ही वर्तमान गाइडलाइन का पालन हो रहा है।

ई-नीलामी सूचना

(अग्निग्रस्त सामग्री का बचा हुआ हिस्सा: (1) भारी लोहा (2) टिन की चादरें) इच्छुक खरीदारों से ई-नीलामी के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। यह सामग्री "जैसी है, जहाँ है" के आधार पर बेची जाएगी और इसकी प्रति किलोग्राम के हिसाब से कीमत तय की जाएगी। आग से क्षतिग्रस्त (लगभग 15,000 किलोग्राम) भारी लोहा और (2) लगभग 5,000 किलोग्राम) टिन की चादरें (सर्वेक्षण अतुल कपूर एंड कंपनी द्वारा किया गया) जो गणेश राइस मिल, ग्राम एवं डाकघर: लाहोद, जिला बलोदा बाजार, रायपुर, छत्तीसगढ़ - 493332 की हैं, का निरीक्षण 09/02/26 से 12/02/26 के बीच श्री सपन केशरवानी - 9826400075 से पूर्व नियुक्ति लेकर किया जा सकता है। ई-नीलामी 13/02/26 को आयोजित की जाएगी। ई-नीलामी प्रपत्रों के लिए, खुशी से मोबाइल नंबर 9990857386 पर संपर्क करें।

साल्वर सेटलर्स प्राइवेट लिमिटेड (नीलामीकर्ता)

पता: 203, द्वितीय तल, उषा किरण बिल्डिंग, आजादपुर वाणिज्यिक परिसर आकाश सिनेमा के पास दिल्ली - 110033 या वेबसाइट से डाउनलोड करें :
www.salvorsettlers.com
ई-नीलामी फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 13/02/26 दोपहर 12:30 बजे से पहले है।

प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य बने प्रदीप चौधरी

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ मछुआरा प्रकोष्ठ प्रदेश कार्य समिति सदस्य प्रदीप चौधरी को संगठन के द्वारा बनाया गया है। भिलाई जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन से मिलकर उन्होंने आभार व्यक्त किया।

लौटती सर्दी

लाइव इवेंट

देशभक्ति का जज्बा, रंगारंग सांस्कृतिक प्रतियों ने मोहा मन थीम

दुर्ग। विद्यापीठ लक्ष्मीनारायण महाराज किल्ला मंदिर विद्यालय और विद्यापीठ कॉलेज के तत्वावधान में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। देशभक्ति और गणतंत्र दिवस की थीम पर आधारित कार्यक्रम में विद्यालय और कॉलेज के बच्चों ने एक से बढ़कर एक शानदार उत्साहपूर्वक प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विद्यापीठ शिक्षण समिति के अध्यक्ष डॉ. तोषी अग्रवाल, समिति के सचिव शंकर लाल ताम्रकार, कोषाध्यक्ष तरुण अग्रवाल, सदस्य प्रमोद कुमार दुबे, मुक्ति अग्रवाल और विद्यापीठ स्कूल एवं कॉलेज के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, सहायक प्राध्यापक सहित सभी विद्यार्थी, बीएड, डी एल एड प्रशिक्षणार्थी भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष पुष्प अर्पित कर की गई। डॉ तोषी अग्रवाल के द्वारा दीप प्रज्जवलन किया गया। बच्चों ने स्वागत गीत गाकर अतिथियों का स्वागत किया। जिसके बाद रंग-बिरंगी वेशभूषा में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा वीर शहीदों को याद कर श्रद्धाजंली दी गई। विद्यालय में बोर्ड परीक्षा और स्पोर्ट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों की पुरस्कृत किया गया।

लाइव इवेंट

नन्हें बच्चों के संग स्कूल में दादा-दादी और नाना-नानी ने किया इंजाय, खेले गेम

भिलाई। डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल नंदिनी माइंस में नर्सरी से दूसरी तक के नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा दादा-दादी एवं नाना-नानी दिवस का हर्षोल्लासपूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में पारिवारिक मूल्यों, संस्कारों तथा बड़ों के प्रति आदर और सम्मान की भावना का विकास करना था। कार्यक्रम की शुरुआत वरिष्ठजनों का तिलक एवं नारियल से स्वागत तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सबका मन जीत लिया। नर्सरी कक्षा का स्वागत नृत्य, एल.के.जी. एवं यू.के.जी. के रंगारंग नृत्य तथा कक्षा प्रथम के विद्यार्थियों की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। विद्यालय द्वारा तैयार पावर प्वाइंट प्रेज़ेंटेशन, प्री-प्राइमरी वर्ग का मधुर सामूहिक गीत, लघु नाटिका एवं कविताएँ सभी को अत्यंत भावविभोर कर गईं।

इस अवसर पर दादा-दादी एवं नाना-नानी के लिए मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया, जिनमें सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। दादा-दादाजी प्रतियोगिता गुब्बारा संतुलन का खेल में अंजुला राम साहू एल.के.जी. ने प्रथम स्थान, भानुप्रताप साहू ने द्वितीय स्थान तथा सरोज वासनिक यू.के.जी. ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार दादी-नानी प्रतियोगिता कुर्सी दौड़ में श्यामबाई साहू प्रथम, सत्यभामा तिवारी यू.के.जी. द्वितीय तथा मानकुंवर साहू कक्षा द्वितीय तृतीय स्थान पर रहीं। विजेताओं को विद्यालय की ओर से पुरस्कृत किया गया। वरिष्ठजनों ने अपने अनुभव एवं अमूल्य विचार बच्चों के साथ साझा किए। प्राचार्या योगिता शर्मा ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों को परिवार की जड़ों से जोड़ते हैं और उनके जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि ऐसे अवसर न केवल पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि बच्चों में संस्कार और आदर की भावना को भी गहराई से स्थापित करते हैं।

वरिष्ठ अध्यापक दिनेश जाधव ने अपने उद्बोधन में कहा कि दादा-दादी एवं नाना-नानी बच्चों के लिए जीवंत मूल्य, संस्कार और परंपरा के संवाहक हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों को परिवार से आत्मिक रूप से जोड़ते हैं तथा उनके मन में बड़ों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना को और प्रबल बनाते हैं। कार्यक्रम का समापन विजेताओं के पुरस्कार वितरण तथा विद्यालय परिवार की ओर से प्रस्तुत आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

● रूंगटा कार्निवाल का तीन दिवसीय आयोजन, उप मुख्यमंत्री अरुण साव रहे उपस्थित

कार्निवाल 2026

सिंगर ताबिश पाशा और ध्वनि भानुशाली के लाइव परफॉरमेंस में झूमे स्टूडेंट्स, जमकर किया डांस, युवाओं के बीच बिखेरा जलवा

संजय रुंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस भिलाई में तीन दिवसीय कार्निवल का धमाकेदार आगाज़ हुआ। जिसके पहले दिन पॉपुलर इंडियन सिंगर, एक्ट्रेस और यूथ आइकॉन ध्वनि भानुशाली ने लाइव परफॉरमेंस दिया। दूसरे दिन सिंगर ताबिश पाशा और उनके बैंड ने अपनी पावरफुल परफॉर्मेंस से माहौल को यादगार बना दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन अरुण साव, दुर्ग महापौर अलका बाघमार और जिला अध्यक्ष बीजेपी पुरुषोत्तम देवांगन उपस्थित थे।

दुखी व निराश व्यक्ति जीवन में सफल नही हो सकतेः उपमुख्यमंत्री

भगवान ने इतनी ताकत और क्षमता दी है कि शरीर को हम जैसा चाहे वैसा बना सकते हैं। यही वह शरीर जो अभ्यास के द्वारा मोम कि तरह मुड़ भी जाता है और फौलाद कि तरह मजबूत हो जाता है। उन्होंने कहा कि हमें असफलता से निराश न होकर तनाव नहीं लेना चाहिए। हमें डॉ अब्दुल कलम आज़ाद से प्रेरणा लेनी चाहिए की कैसे एक छोटी नौकरी नहीं मिलने पर भी वे निराश नहीं हुए और उन्होंने बहुत मेहनत की, और बाद में उन्हें मिसाइल मैन के नाम से जाना गया। फिर वे भारत के राष्ट्रपति बने। श्री साव ने कहा की दुनिया में वही आदमी सफल हो सकता हैं जिसके चेहरे पे उत्साह, प्रसन्ता, हौसला और ऊर्जा हो। कोई दुखी और निराश व्यक्ति जीवन में सफलता नहीं पा सकता। उप मुख्यमंत्री अरुण साव जी ने कार्निवाल 2026 के विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता

सिंगर ताबिश पाशा और उनके बैंड ने अपनी पावरफुल परफॉर्मेंस से माहौल को यादगार बना दिया। हजारों की संख्या में जुटे छात्र-छात्राओं की मौजूदगी में ताबिश पाशा ने एक से बढ़कर एक सुपरहिट गाने पेश किए। स्टूडेंट्स ने मोबाइल फ्लैशलाइट जलाकर गानों का लुत्फ उठाते नजर आए। फैकल्टी मेंबर्स और स्टाफ भी युवाओं के लिए यादगार बन गया है। संजय रूंगटा ग्रुप ऑफ़ इंस्टीटूशन्स के चेयरमैन संजय रूंगटा, संतोष रूंगटा, चांसलर, रूंगटा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, डायरेक्टर डॉ साकेत रूंगटा, रजनी रूंगटा, हर्षा रूंगटा सहित अन्य प्रमुख रूप से मौजूद थे। चेयरमैन संजय रूंगटा ने मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री अरुण साव का स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत और अभिनंदन किया। कार्निवाल 2026 में आकर स्टूडेंट्स, स्टाफ का मनोबल और हौसला बढ़ाने के लिए धन्यवाद दिया। डायरेक्टर डॉ साकेत रूंगटा ने दुर्ग महापौर अलका बाघमार और जिला अध्यक्ष बीजेपी पुरुषोत्तम देवांगन को स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

पहले दिन ध्वनि भानुशाली के लाइव परफॉरमेंस में झूमे स्टूडेंट्स, जमकर किया डांस, देर रात तक थिरके

कार्निवाल 2026 के आयोजन में पहले दिन पॉपुलर इंडियन सिंगर, एक्ट्रेस और यूथ आइकॉन ध्वनि भानुशाली ने लाइव परफॉरमेंस दिया। उनके गाये गीतों पर स्टूडेंट्स ने जमकर डांस किया। ध्वनि भानुशाली ने अपनी प्रभावशाली परफॉरमेंस से संजय रूंगटा ग्रुप ऑफ़ इंस्टीटूशन्स के परिसर को ऊर्जादायक बना दिया। दर्शकों में जोश भर दिया। कार्यक्रम में संजय रूंगटा ग्रुप ऑफ़ इंस्टीटूशन्स के चेयरमैन श्री संजय रूंगटा, डायरेक्टर डॉ साकेत रूंगटा, रजनी रूंगटा, हर्षा रूंगटा सहित अन्य प्रमुख रूप से मौजूद थे। तीन दिवसीय इस आयोजन का शनिवार को समापन हुआ। समापन समारोह में विजेता प्रतिभागी सम्मानित किये गए। इसके अलावा पुरे दिन निर्धारित खेल प्रतोयोगिता का आयोजन किया गया। समापन समारोह में तकनिकी शिक्षा, कौशल विकास एवम रोजगार के कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन गुरु खुशवंत साहेब और विधायक रिकेश सेन उपस्थित रहें।

संत गजानन मंदिर दुर्ग में मनाया जा रहा प्रकटोत्सव, हो रहे भन-कीर्तन

भिलाई। श्री संत गजानन मंदिर दुर्ग में गजानन महाराज का प्रकोटोत्सव का 4 दिवसीय आयोजन किया गया है। जिसके दूसरे दिन रुद्राभिषेक सहित अन्य अनुष्ठान किये गए। श्री संत गजानन मंदिर दुर्ग में शनिवार को सुबह 6 बजे गजानन महाराज का जलाभिषेक विधि-विधान से किया गया। जिसके बाद विजय ग्रंथ का पाठन सुनील चौरे द्वारा किया गया। तत्पश्चात भगवान की आरती के साथ पूजा संपन्न हुई। इस अवसर पर सुबह 10 बजे से 11 ब्राह्मणों द्वारा देवाधिदेव महादेव का रूद्राभिषेक किया गया। दोपहर 1 बजे रूद्राभिषेक कर आरती की गई। जिसके पश्चात सभी भक्तों द्वारा प्रसाद ग्रहण किया गया। इसी कड़ी में शाम साढ़े 5 बजे से गजानन भजनी मंडळ, दुर्ग द्वारा कर्णप्रीय भजन कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। रात 8 बजे नागपुर के प्रसिद्ध कीर्तनकार घुमकेकर बुवा द्वारा प्रस्तुत सारगर्भित कीर्तन द्वारा श्रोताओं का मन मोह लिया। शनिवार को कीर्तन का अंतिम दिन था। आज यानी रविवार को गजानन महाराज की पालखी यात्रा निकाली जायेगी। जिसके बाद 1 बजे महाभंडारा और रात 8 बजे सुंदर कांड का कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इसी क्रम में गजानन महाराज मंदिर हुडको में भजनी मंडळ पद्मनाभपूर द्वारा भजन सेवा दी गई। कार्यक्रम का संचालन विशाखा सालोडकर ने किया। भजन के संगत में तबले पर विजय देशपांडे, हार्मोनियम पर संदीप बोकीलवार और वैशाली देशपांडे ने भजनों की सुमधुर प्रस्तुति दी।

बीमारियों की रोकथाम और उपचार विधि की दी जानकारी

दुर्ग। माता अमृतानंदमयी अम्मा मठ, शाखा रायपुर द्वारा शनिवार को आधार पब्लिक स्कूल फेकारी दुर्ग में सुबह 11 बजे से निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इसमें अंचल के वरिष्ठ चिकित्सकों, फिजीशियन डॉ. मोहन लाल अग्रवाल, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. गोवर्धनन मारन और फिजिकल हेल्थ कंसल्टेंट डॉ. हर्षिता शुक्ला ने अपनी सेवाएं दी। इस शिविर में आए लाभार्थियों का चेकअप कर रोकथाम के उपाय, उपचार विधि और स्वास्थ्य लाभ के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा मार्ग दर्शन और सुझाव दिया गया। प्राकृतिक और स्वस्थ जीवन शैली के बारे में जानकारी भी दी गई।

शिविर में फेकारी और आसपास के क्षेत्रों से लगभग 150 नागरिकों की उपस्थिति रही। वरिष्ठ नागरिक,

महिलाए, बच्चे एवं जरूरतमंद लोग विशेष रूप से लाभान्वित हुए । माता अमृतानंदमयी मठ रायपुर इकाई की प्रतिनिधि डॉ. रेशमा श्रीवास्तव ने बताया कि माता अमृतानंदमयी मठ द्वारा समाज सेवा की यह पहल स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और लोगों को निःशुल्क चिकित्सा उपलब्ध करवाने के लिए की गई थी ।

युवाओं में बढ़ रहा खतरा, सिर दर्द के बाद सामने आती है मिर्गी की बीमारी

कार्नर न्यूज

विश्व एपिलेप्सी दिवस : दुनिया में 5 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित, भारत में 1 करोड़ से ज्यादा मरीज

भिलाई। विश्व एपिलेप्सी दिवस हर वर्ष मनाया जाता है, ताकि मिर्गी (एपिलेप्सी) जैसी गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारी के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाई जा सके। विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर पहचान और सही उपचार मिलने पर अधिकांश मरीज सामान्य जीवन जी सकते हैं, लेकिन जागरूकता की कमी और सामाजिक भ्रांतियों के कारण आज भी बड़ी संख्या में मरीज उपचार से वंचित हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया भर में लगभग 5 करोड़ लोग मिर्गी से प्रभावित हैं, जिनमें से करीब 80 प्रतिशत मरीज निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। सही इलाज मिलने पर लगभग 70 प्रतिशत मरीज दौरे से पूरी तरह नियंत्रित जीवन जी सकते हैं।

मिर्गी के मामले में चिकित्सकीय परामर्श आवश्यक

विशेषज्ञों का कहना है कि मिर्गी के दौरे के समय मरीज को सुरक्षित करवट लिटाना, मुंह में कोई वस्तु न डालना और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है। जागरूकता, समय पर इलाज और समाज में फैली गलत धारणाओं को दूर करना ही इस बीमारी से लड़ने का सबसे प्रभावी उपाय है। इस बीमारी का पता चलते ही चिकित्सकीय

परामर्श आवश्यक है। इसके बाद संतुलित आहार, मेडिटेशन, दवाओं के नियमित इस्तेमाल से इस बीमारी को हराया जा सकता है। इस बारे में चिकित्सक से नियमित संपर्क आवश्यक है।

भारत में पिछले कुछ सालों में तेजी से बढ़े मरीज

भारत की बात करें तो देश में करीब 1 से 1.2 करोड़ लोग मिर्गी से पीड़ित हैं, जो वैश्विक बोझ का लगभग एक-छठा हिस्सा माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार भारत में मिर्गी की व्यापकता औसतन प्रति 1000 आबादी में 3 से 12 मामलों के बीच पाई जाती है। आरोग्यम हॉस्पिटल के न्यूरोसर्जन डॉ. कुलदीप सिंह के अनुसार मिर्गी कोई लाइलाज बीमारी नहीं है। सही समय पर जांच, नियमित दवा और विशेषज्ञ उपचार से अधिकांश मरीज सामान्य जीवन जी सकते हैं। उन्होंने बताया कि कई मामलों में मरीज सामाजिक डर या अंधविश्वास के कारण इलाज में देरी कर देते हैं, जिससे समस्या बढ़ जाती है।

सिटी इवेंट

डिप्लोमा इंजीनियर्स के लिए सुपरवाइजरी कैडर की हो स्थापना

भिलाई। डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन द्वारा डिप्लोमा इंजीनियर्स की सेवा संरचना एवं करियर प्रगति से संबंधित चार प्रमुख मांगों को लेकर मांगपत्र कार्यकारी निदेशक मानव संसाधन के नाम से महाप्रबंधक विकास चन्द्र को सौंपा गया। एसोसिएशन ने बताया कि डिप्लोमा इंजीनियर्स भिलाई इस्पात संयंत्र के उत्पादन, ऑपरेशन, मेंटेनेंस, सेफ्टी एवं क्वालिटी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निरंतर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके योगदान को ध्यान में रखते हुए सेवा संरचना में आवश्यक सुधार समय की मांग बन चुके हैं। मांग-पत्र में प्रमुख रूप से डिप्लोमा इंजीनियर्स के लिए पृथक सुपरवाइजरी कैडर की स्थापना की मांग की गई है। इसके साथ ही वर्क्स एरिया में सेक्शन ऑफिसर की तर्ज पर सेक्शन इंजीनियर पदनाम लागू करने की मांग रखी गई, जिससे तकनीकी कार्यों को उचित पहचान मिलेगी और जिम्मेदारियों में स्पष्टता आएगी। एसोसिएशन ने यह भी मांग की कि 10 वर्ष की संतोषजनक सेवा के पश्चात डिप्लोमा इंजीनियर्स को अधिकारी वर्ग में पदोन्नति का अवसर दिया जाए, जिससे अनुभवी और दक्ष कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा तथा संगठन को समर्पित नेतृत्व प्राप्त होगा। इसके अलावा कनिष्ठ अधिकारी पदों की संख्या वर्तमान में एस-6 से एस-11 ग्रेड की 2% सीमा से बढ़ाकर कुल नॉन-एक्जीक्यूटिव कर्मचारियों की संख्या के 10% तक करने की मांग की गई। एसोसिएशन ने उदाहरण देते हुए बताया कि आईओसीएल और एचपीसीएल जैसी अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों में इस प्रकार की व्यवस्था लागू की गई है, जिससे कर्मचारियों की उत्पादकता, जिम्मेदारी और कार्य संतोष में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। महासचिव मोहम्मद रफी ने प्रबंधन से अपील की कि डिप्लोमा इंजीनियर्स की इन न्यायोचित मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर शीघ्र निर्णय लिया जाए। इस अवसर पर एसोसिएशन की ओर से उपाध्यक्ष उषाकर चौधरी, कोषाध्यक्ष रमेश कुमार, श्रवण पांडे, किरण वैद्य, सुमित कुमार आदि उपस्थित थे।

■ सेफ्टी, उत्पादकता और करियर विकास पर फोकस

स्पोर्ट्स लाइव

दुर्ग की महिला फुटबॉल टीम ईस्ट जोन प्रतियोगिता में भाग लेने हुए रवाना

भिलाई। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग की फुटबॉल महिला टीम विद्यासागर मीदनारपुर वेस्ट बंगाल में 9 से 13 फरवरी तक आयोजित ईस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में भाग लेने रवाना हुए। टीम के खिलाड़ियों को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डॉ. संजय तिवारी और कुलसचिव भूपेन्द्र कुलदीप ने बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। टीम के सभी खिलाड़ियों को ट्रेकसूट, ड्रेस और जूता प्रदान किया गया। खेल संचालक डॉ दिनेश नामदेव ने जानकारी देते हुए बताया कि टीम का 5 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर रविशंकर स्टेडियम दुर्ग में आयोजित कराया गया था। टीम के मैनेजर डॉ. रिन्सी बी. अब्राहम सहायक प्रोफेसर सेंट थॉमस महाविद्यालय रूआबांधा भिलाई और कोच मुकेश श्रीवास्तव व्यायाम शिक्षक एम.जी.एम. स्कूल सेक्टर 6 भिलाई के मार्गदर्शन में टीम प्रतियोगिता में प्रदर्शन करेगी।

खिलाड़ी करेंगी बेहतर प्रदर्शन : महिला फुटबॉल टीम में शामिल खिलाड़ियों में गरिमा शासकीय महाविद्यालय दुर्ग, अंकिता सिंह शासकीय महाविद्यालय दुर्ग, माही गुप्ता शासकीय महाविद्यालय दुर्ग, श्रद्धा गुप्ता शासकीय महाविद्यालय, पलक गुप्ता शासकीय महाविद्यालय दुर्ग, लुसाना यादव शासकीय महाविद्यालय दुर्ग, योगेश्वरी निषाद शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग, हिना निर्मलकर शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग, रेनू यादव शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग, लक्ष्मी सिन्हा शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग, उर्मिला निर्मलकर शासकीय कन्या महाविद्यालय, नंदिनी देवांगन शासकीय कन्या महाविद्यालय, श्रुति यादव शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग, विकासनी कौशिक शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग, वर्षा साहू स्वामी स्वरूपानंद महाविद्यालय हुडको, सोनम साहू शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डोंडी, यास्मीन साहू शासकीय महाविद्यालय दुर्ग, निशा भोई सेठ आरसीएस महाविद्यालय दुर्ग, नंदनी निर्मलकर सेठ आरसीएस महाविद्यालय दुर्ग, नीलिमा भीमटे शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव रवाना हुए।

बीबीएस का निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आज

भिलाई। भिलाई बंगाली समाज बीबीएस द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 8 फरवरी रविवार को सुबह 10.30 बजे से किया गया है। वार्ड 26 रामनगर मुक्तिधाम स्कूल प्रांगण में आयोजित इस शिविर में दुर्ग-भिलाई के प्रसिद्ध अस्पतालों के अनुभवी और विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा इस शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण, शुगर, बीपी, आंख की जांच के साथ ही निःशुल्क परामर्श भी दी जाएगी। शिविर के दौरान चश्मों का भी वितरण किया जाएगा।

● वैलेंटाइन वीक की शुरुआत, आज प्रपोज डे, रोज डे पर लाल गुलाब की रही डिमांड

गुलाब की खुशबू से महक उठी ट्विनसिटी, प्यार का इजहार करने लोग दोगुने दाम पर खरीद रहे लाल गुलाब

भिलाई। बसंत के मौसम में खासकर लाल गुलाब सहित बाजार में सभी तरह के देशी व विदेशी फूलों की मांग बढ़ जाती है। हरिभूमि ने रोज डे को लेकर ट्विनसिटी के फूल कारोबारियों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि शादी, रिशेप्शन सहित अन्य फंग्शन में आजकल सभी प्रकार के फूलों की डिमांड रहती है। खासकर कोई विशेष दिन पर लोगों को यह आसानी से नहीं मिल पाता। जब भी गुलाब की मांग बढ़ती है, दाम भी बढ़ जाते हैं। रोज डे सहित अन्य आयोजनों के लिए फूलों का स्टॉक कम ना होने पाए इसलिए स्थानीय बगीचों के साथ नागपुर सहित दूसरे राज्यों से भी काफी संख्या में गुलाब मंगाए गए है। फूल मार्केट के व्यापारी अरुण जेना ने बताया कि पहले लोग केवल गुलाब ही एक दूसरे को देना पसंद करते थे लेकिन अब युवा विदेशी फूलों को भी अपनी पसंद में शामिल कर उनकी मांग करते है। लेकिन विदेशी फूलों की खपत कम होने के कारण मार्केट में कम ही दुकानों में मिल पाते है। इस बार रोज डे पर 20 और 30 वाले गुलाब 40 और 60 रुपये में बिके। वेलेंटाइन डे वीक को शनिवार को फूल बाजार में रौनक थोड़ी कम ही रही। शहर के फूल दुकानों, गिफ्ट हाऊस पर गुलाब, चॉकलेट, टेडी बियर की ऑनलाइन डिमांड बढ़ गई है। इससे फूल, चॉकलेट, टेडी बियर, गिफ्ट हाउस, सराफा की बाजार गुलजार है। इसके साथ-साथ काफी हाउस, रेस्टोरेंट्स, दूर स्पॉट की भी बुकिंग कपल्स करा रहे हैं। वहीं रोज डे के लिए फूल दुकानों पर क्लासिक गहरे लाल गुलाबों के साथ-साथ पीच, लैवेंडर, और मिक्स पेस्टल शेड्स वाले बुके ट्रेंड में रहे। दुकानदारों का कहना है कि मखमली पंखुड़ियों वाले अरेंजमेंट, हार्ट शेप बॉक्स डिजाइन बुके सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं।

वैलेंटाइन वीक की रोज-डे से हुई शुरूआत

7 फरवरी शनिवार को रोज डे के साथ वैलेंटाइन वीक की शुरुआत गुलाबों की खुशबू के साथ हुई। इस दिन लोगों ने अपने जज्बात गुलाब के जरिए बयां किया। ऐसे में शहर के फूल दुकानों में लाल गुलाब हैदराबाद और कोलकाता सहित अन्य स्थानों से मंगाए गए थे, लेकिन पहले की अपेक्षा बाजार थोड़ा सुस्त रहा। इस दिन प्यार के लिए लाल गुलाब, तो पीला दोस्ती और सफेद गुलाब सम्मान के लिए खरीदे गए। इस तरह गुलाब की फुलों से रिश्ते को नाम देकर चेहरों पर मुस्कान बिखेरा।

8 फरवरी: प्रपोज डे आज : वेलेंटाइन डे के दूसरे दिन यानी आज प्रपोज डे रहेगा। इस दिन युवा दिल में लंबे समय से दबाकर रखी बात उस खास इंसान के सामने इजहार करेंगे और रिश्ते को एक नया नाम देंगे। प्रपोज डे को खास बनाने काफी शॉप, रेस्टोरेंट्स और दूर स्पॉट की एडवांस बुकिंग युवाओं ने करा रखे है।

9 फरवरी: चॉकलेट-डे के लिए फेवरेट फ्लेवर की कॉबो पैक : इस वीक का तीसरा दिन प्यार में मिठास घोलने का दिन। चॉकलेट डे पर पार्टनर्स एक-दूसरे को उनकी पसंदीदा चॉकलेट गिफ्ट करेंगे। इसके लिए शहर के बाजार में अभी से चॉकलेट डे के लिए फेवरेट फ्लेवर वाली चॉकलेट गिफ्ट हेपर उपलब्ध हो चुके हैं। बेकरी संचालकों ने बताया कि चॉकलेट डे पर तरह-तरह फ्लेवर की चॉकलेट की मांग होती है।

10 फरवरी : टेडी-डे के लिए हार्ट शेप, लव मैसेज वाली टेडी बियर पसंद : चौथ दिन टेडी डे मासूमियत और अपनापन दर्शाता है। एक प्यारा-सा टेडी बियर एहसास दिलाता है कि जब आप साथ न हों, तब भी आपकी यादें सामने वाले के पास हैं। शहर के टेडी विक्रेता ने बताया कि इस दिन हार्ट शेप डिजाइन के साथ लव मैसेज लिखे टेडी बियर की मांग रहती है।

11 फरवरी: प्रॉमीस डे के लिए कीमती उपहारों ऑनलाइन खरीदी : पांचवा दिन प्रॉमीस डे यह दिन वादे निभाने और रिश्तों में विश्वास का दिन होता है। इस दिन के लिए कपल्स ज्वेलरी सहित अन्य कीमती उपहार ऑनलाइन व ऑफलाइन बुक करा रहे है। इसके साथ ही कपल्स एक-दूसरे से ईमानदारी, भरोसे और हर परिस्थिति में साथ निभाने का वादा करेंगे।

12 फरवरी- हग डे पर जादू की झप्पी

पांचवा दिन हग-डे, एक सच्ची झप्पी जादू जैसा होता है, जो बिना कुछ कहे बहुत कुछ कह जाती है। हग डे प्यार, सुरक्षा और अपनापन जताने का दिन है। यह दिलों की दूरी को कम करने का दिन होगा। यह कपल्स के लिए रिश्ते का एहसास का दिन रहेगा।

13 फरवरी: किस डे को भावनात्मक और मानसिक जुड़ाव : वैलेंटाइन डे से ठीक पहले आने वाला किस डे प्यार को जताने का बेहद खास तरीका होता है। यह दिन भावनात्मक और मानसिक जुड़ाव को और गहरा करता है।

14 फरवरी- वैलेंटाइन वीक का सबसे खास दिन : वैलेंटाइन वीक का सबसे खास दिन। इस दिन लोग अपने पार्टनर के साथ समय बिताते हैं, डेट पर जाते है। सरप्राइज प्लान करते हैं और अपने प्यार का जश्न मनाते हैं। यह दिन याद दिलाता है कि प्यार हर रिश्ते की सबसे बड़ी ताकत है।

साइंस कॉलेज दुर्ग में हुआ कार्यक्रम

वार्षिक पुरस्कार वितरण व अलंकरण समारोह आयोजित, उपासना दिल्लीवार को स्वर्ण पदक

दुर्ग। पुरस्कार प्राप्त करना श्रेष्ठता का परिचायक होता है। महाविद्यालय में अपने अध्ययनकाल के दौरान हम जितनी चीजें सीखते है वे सारी उम्र हमें आगे बढ़ाने में सहायक होती है। ये तथ्य आज शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में आयोजित वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में सभी वक्ताओं के संबोधन में सामने आया। महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री परिहार, भारतीय जनता पार्टी दुर्ग जिला के अध्यक्ष सुरेन्द्र कौषिक एवं दीपक नगर वार्ड के पार्षद मनोज सोनी ने महाविद्यालय के राधाकृष्णन सभागार में बड़ी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों के समक्ष अपने विचार रखे। इससे पूर्व सरस्वती पूजा, स्वागत गान, छत्तीसगढ़ राज्य गीत के प्रस्तुति शासकीय नवीन संगीत महाविद्यालय, दुर्ग के विद्यार्थियों द्वारा की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने सत्र 2025-26 में विभिन्न क्षेत्रों में महाविद्यालय की उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सिंह ने बताया कि इस वर्ष में महाविद्यालय में विभिन्न विभागों द्वारा 38 सेमीनार आयोजित किए गए तथा प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों द्वारा 38 पेंटेंट हासिल किए गए। अतिथियों का स्वागत करने वालों में प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एस.एन.झा, डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी, डॉ. जगजीत कौर सलूजा, डॉ. अनीता शुक्ला, डॉ. अभिनेष सुराना, डॉ. उपमा श्रीवास्तव, अतिथि प्राध्यापक डॉ. गोविन्द्र प्रसाद गुप्ता तथा मुख्य लिपिक संजय यादव एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रोहित सिंह राजपूत शामिल थे। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के कैलेण्डर का लोकार्पण भी किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह, श्रीफल, शॉल एवं पौधा भेंट किया। पुरस्कार वितरण समारोह का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अभिनेष सुराना ने किया।

पद्मावती एवं अनिल तामस्कर के स्मृति में दिया जाने वाला प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक एम.एससी भौतिक शास्त्र की छात्रा कु. उपासना दिल्लीवार को प्राप्त हुआ। महाविद्यालय के ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण कर उच्च पदों पर पदस्थ हुए उन्हें भी सम्मानित किया गया। यूपीएससी द्वारा जियो साइंटिस्ट के पद पर चयनित धर्मेष देषमुख, सीजी पीएससी से माइनिंग इंस्पेक्टर के पद पर चयनित पुकेष कुमार नाग, कु. प्रिया सिन्हा, दिपेष कुमार ठाकुर, संदीप कुमार, डीएसपी के पद पर चयनित संदीप कुमार, डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयनित सुष्मिता टोण्ड्रे, आबकारी निरीक्षक के पद पर चयनित प्रिंस कुमार कुशवाहा, सांइटिफिक ऑफिसर के पद पर चयनित वसीम अकरम तथा कु. योगिता, सेन्ट्रल बैंक में प्रोबेषनरी अधिकारी के पद पर चयनित कु. निष्किता दास का सम्मान किया गया।

जी रामजी योजना की दी जानकारी

रोजगार दिवस महिलाओं को दी जानकारी, होगा हर हफ्ते भुगतान

दुर्ग। जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में शनिवार को रोजगार दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों को विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। ग्राम पंचायत ढौर धमधा में आयोजित रोजगार दिवस के दौरान ग्रामीणों को योजना के प्रावधानों से अवगत कराया गया तथा क्यूआर कोड स्कैन के माध्यम से योजना से संबंधित जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत समुदाय के लिए सामुदायिक जल संचयन तालाब का नवीनीकरण एवं श्मशान घाट के पास तालाब गहरीकरण जैसे कार्यस्थलों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में 78 ग्रामीणों की सहभागिता रही। ग्रामीणों को बताया गया कि विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण योजना 1 अप्रैल 2026 से प्रभावशील होगी। यह योजना विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक पंजीकृत ग्रामीण परिवार को 125 दिनों का सुनिश्चित रोजगार प्रदान किया जाएगा। जिला पंचायत के सीईओ बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि मजदूरी का भुगतान प्रति सप्ताह अथवा कार्य समाप्ति के 15 दिनों के भीतर किया जाएगा। भुगतान में विलंब होने की स्थिति में मुआवजे का प्रावधान भी सुनिश्चित किया गया है। बायोमेट्रिक एवं ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली, जीपीएस/मोबाइल आधारित निगरानी तथा रियल-टाइम एमआईएस व्यवस्था लागू की गई है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी तथा मजदूरी भुगतान में किसी भी प्रकार की कटौती या देरी नहीं होगी।

मालवीय नगर स्थित सेजेस स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री हुए शामिल

परीक्षा पर चर्चा... विद्यार्थियों के सवालों पर शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने दिये सहज और प्रेरक उत्तर

कार्नर न्यूज

दुर्ग। दीपक नगर स्थित स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में शुक्रवार को परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रदेश के शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव से परीक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका उन्होंने सरल, सहज और प्रेरणादायक ढंग से उत्तर दिये। कार्यक्रम का आयोजन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा आयोजित परीक्षा पर चर्चा वर्चुअल संवाद की श्रृंखला के अंतर्गत किया गया। प्रधानमंत्री देशभर के विद्यार्थियों से संवाद कर परीक्षा को लेकर व्याप्त तनाव को दूर करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और सकारात्मक सोच विकसित करने का कार्य कर रहे हैं। इसी कड़ी में दुर्ग के दीपक नगर स्थित आत्मानंद स्कूल में प्रधानमंत्री जी के वर्चुअल कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया।

वर्चुअल कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए किया उत्साहवर्धन

इस अवसर पर केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परीक्षा पर चर्चा वर्चुअल कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि परीक्षा जीवन का एक पड़ाव है, इसे बोझ नहीं बल्कि अवसर के रूप में लेना चाहिए। सही योजना, नियमित अध्ययन और आत्मविश्वास के साथ कोई भी विद्यार्थी सफलता प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न स्कूल से पहुचे विद्यार्थियों को मंत्री गजेन्द्र यादव ने विद्यार्थियों से परीक्षा की तैयारी, समय प्रबंधन, विषय चयन, पुनरावृत्ति के तरीकों और मानसिक तनाव जैसे विषयों पर संवाद किया।

स्टूडेंट्स के सवालों का दिया उत्तर, बेहतर शिक्षा पर दिया जोर

विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए सवालों का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि असफलता से घबराने की बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। मेहनत और अनुशासन ही सफलता की कुंजी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने, तनावमुक्त होकर परीक्षा देने, लक्ष्य पर केंद्रित रहने और स्वयं पर विश्वास बनाए रखने का संदेश दिया। उनका यह संदेश विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और मार्गदर्शक सिद्ध हुआ। इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, शाला विकास समिति के अध्यक्ष अनूप गटागट, पार्षद मनोज सोनी, पूर्व पार्षद विनोद मून, विजय जलकारे, डीईओ अरविंद मिश्रा, प्राचार्य जे. मनोहरण, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सिटी स्पोर्ट्स

सीनियर वर्ग प्लेट ग्रुप में मुकाबले जारी

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित सीनियर वर्ग प्लेट ग्रुप अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत दूसरे दिन शनिवार को दूसरे राउंड के मुकाबले हुए। दल्ली राजहरा में टीम दुर्ग ने दंतेवाड़ा के विरुद्ध एक पारी एवं 50 रन से जीत के साथ सात अंक प्राप्त किए। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सिविक सेंटर में टीम रायगढ़ के विरुद्ध कोरिया जिला टीम बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 205 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में रायगढ़ टीम पहली पारी में 123 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में कोरिया जिला टीम दूसरी पारी में 162 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में रायगढ़ ने दूसरी पारी तीन विकेट पर 147 रन बनाए। आरडीसीए रायपुर में हुए मैच में टीम कवर्धा के विरुद्ध धमतरी पहली पारी में 412 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में कवर्धा टीम पहली पारी में 192 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में धमतरी ने दूसरी पारी 8 विकेट पर 140 रन बनाए। राजनांदगांव में हुए मैच में टीम नारायणपुर ने जशपुर के विरुद्ध बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी 143 रन बनाए और टीम आउट हो गई। बल्लेबाजी में जशपुर टीम पहली पारी में 388 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में नारायणपुर ने दूसरी पारी पांच विकेट पर 106 रन बनाए। धमतरी में हुए मैच में टीम कोरबा के खिलाड़ी बस्तर के विरुद्ध बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 146 रन पर आउट हो गए। बल्लेबाजी में बस्तर टीम पहली पारी में 199 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में कोरबा टीम दूसरी पारी में 185 रन पर आउट हो गई। दूसरी पारी में एक विकेट पर 56 रन बनाए। न्यू ग्राउंड कांकेर में बल्लेबाजी करते हुए महासमुंद पहली पारी 286 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में कांकेर टीम पहली पारी में 163 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में महासमुंद टीम दूसरी पारी में 151 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में कांकेर ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 29 रन बनाए।

वॉलीबॉल की छत्तीसगढ़ टीम के लिए चयन ट्रायल आज

भिलाई। द्वितीय सीनियर राष्ट्रीय पुरुष एवं महिला 3-ए साइड वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 13 से 15 फरवरी तक दशहरा मैदान, शांति नगर, भिलाई में किया जाएगा। उक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ टीम के चयन (ट्रायल) का आयोजन 8 फरवरी रविवार को सुबह 10:00 बजे किया जा रहा है। इस ट्रायल में भाग लेने के इच्छुक पुरुष एवं महिला वर्ग के खिलाड़ी निर्धारित समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर भाग ले सकते हैं। सचिव, छत्तीसगढ़ 3-ए साइड वॉलीबॉल संघ ने यह जानकारी दी।

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी हैंडबॉल के लिए रविवि टीम रवाना

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर की महिला हैंडबॉल टीम ईस्ट ज़ोन/ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी हैंडबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रवाना हो गई है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 10 फ़रवरी से 14 फ़रवरी तक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नालॉजी मेघालय में आयोजित है। इस राष्ट्रीय स्तर की महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता हेतु गठित टीम में मैनेजर डॉ. अयाज़ अहमद ख़ान एवं कोच डेरहिन ध्रुव की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। टीम की कमान कप्तान योगिता साहू को सौंपी गई है, जबकि रेणुका को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। टुकेश्वरी, प्रेमलता, अनीता, केश्वरी, ममता हेमा,खुशी,अनामिका,पूजा,चारु,तृप्ति, ऊषा, तनु का चयन हुआ है। टीम के रवाना होने से पूर्व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. राजीव चौधरी तथा निदेशक प्रो. रीता वेणु गोपाल एवं प्रोफेसर सी.डी. आगासे ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी है।

राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा बेसबॉल खिलाड़ियों को मिली किट

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्कूल मैदान में राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता बेसबॉल 19 वर्ष बालक बालिका को किट वितरण बिलासपुर में किया गया। छत्तीसगढ़ टीम के कोच अख्तर खान ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वर्षा शर्मा सहायक संचालक जिला शिक्षा कार्यालय, अखिलेश मेहता एमआईसी हेड, कमलेश यादव सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी, प्रशांत चिपडे, वरिष्ठ व्यायाम शिक्षक साजिद खान मौजूद रहे।

एसिडिटी से आज हर दूसरा व्यक्ति परेशान

बदलते खानपान का हो रहा उल्टा असर, खट्टी डकार और ब्लोटिंग से हैं परेशान तो उठाएं कुछ जरूरी कदम

एसिडिटी और खट्टी डकारें आना एक आम बात है, लेकिन आप इन्हें नियंत्रित भी कर सकते हैं। खानपान में बदलाव करने के अलावा ऐसी कुछ चीजें हैं जिसका सेवन करने से आप पेट की समस्या में राहत पा सकते हैं।

खट्टी डकार पाचन तंत्र की एक आम समस्या है। कई बार गलत खानपान के कारण हमारा शरीर खाने को ठीक से पचा नहीं पाता। इसके कारण गैस, एसिडिटी और खट्टी डकारें आना एक आम बात है। यह न केवल असहजता पैदा करता है, बल्कि पेट में जलन, भारीपन और गैस जैसी परेशानियों को भी बढ़ा सकती है।

आप कुछ भी खाएं या पिएं उसके बाद एकदम से खट्टी डाकर आने से मुंह का स्वाद भी खराब हो सकता है। अगर आप बार-बार पेट की इस समस्या से जूझ रहे हैं, तो कुछ घरेलू नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं।

आज हम आपको चार ऐसी चीजों के बारे में बताएंगे, जिनका नियमित सेवन आपकी पाचन क्रिया को दुरुस्त रख सकता है और खट्टी डकार, गैस व ब्लोटिंग जैसी समस्याओं से राहत दिला सकता है।

डकार आने के कारण-

एसिड रिफ्लक्स- ऐसी स्थिति जिसमें पेट का एसिड गले में वापस चला जाता है, जिससे खट्टा स्वाद

या जलन होती है।

सल्फर युक्त प्रोडक्ट्स - ब्रोकोली, ब्रसेल्स स्प्राउट्स, लहसुन और डेयरी उत्पादों जैसे कुछ खाद्य पदार्थ सल्फर डकार का कारण बन सकते हैं।

तनाव- तनाव और चिंता सल्फर डकार जैसी पाचन संबंधी समस्याओं का कारण बन सकते हैं।

बैक्टीरियल संक्रमण- एच. पाइलोरी जैसे संक्रमण से हाइड्रोजन सल्फाइड की अधिकता हो सकती है, जिससे सल्फर डकार हो सकती है।

खट्टी डकार और ब्लोटिंग को नियंत्रित करने वाली चीजें

अदरक, नींबू और काला नमक- पाचन के लिए अमृत

अदरक में मौजूद जिंजरोल पाचन एंजाइम को सक्रिय करता है, जिससे खाना जल्दी पचता है और गैस नहीं बनती। नींबू में साइट्रिक एसिड होता है, जो पेट की एसिडिटी को नियंत्रित करता है और डाइजेशन में सुधार करता है।

काला नमक, जो एक प्राकृतिक एंटासिड है, पेट की सूजन और गैस को कम करता है। अगर आपको बार-बार खट्टी डकार आती है या पेट भारी लगता है, तो इस नुस्खे को जरूर अपनाएं।

कैसे करना चाहिए सेवन:

इसके लिए आप पहले अदरक को छीलकर उसके छोटे-छोटे टुकड़े काट लें। अब एक कांच की बर्नी में एक चौथाई कप नींबू का रस डालें। इसमें एक चौथाई छोटा चम्मच काला नमक डालकर मिक्स करें। अदरक के टुकड़ों को इस सॉल्यूशम में डालकर डुबोकर रखें। खाने से 10-15 मिनट पहले इसका सेवन करें। इससे खाना पचाने में आपको मदद मिलेगी।

पुदीने की चाय- पेट को ठंडक और राहत देने के लिए

पुदीना एंटी-स्पास्मोडिक गुणों से भरपूर होता है, जो पेट की मांसपेशियों को रिलैक्स करता है और गैस को बाहर

निकालने में मदद करता है। यह एसिड रिफ्लक्स को कम करता है और खट्टी डकार को रोकता है।

इसके नियमित सेवन से पाचन बेहतर होता है और पेट हल्का महसूस होता है। अगर आपका पेट अक्सर फूला रहता है, तो रोज़ाना एक कप पुदीने की चाय पीना फायदेमंद रहेगा।

कैसे करें सेवन:

एक कप पानी में 7-8 ताजी पुदीने की पत्तियां डालें। इसे 5-7 मिनट तक धीमी आंच पर उबालें। हल्का ठंडा होने पर शहद मिलाकर पी लें।

सौंफ- खाना पचाने और गैस कम करने का आयुर्वेदिक तरीका

सौंफ में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पाचन तंत्र को शांत रखते हैं। इसमें मौजूद एनेथोल गैस, ऐंठन और ब्लोटिंग को कम करता है। यह सांसों की दुर्गंध को भी दूर करता है, जो कई बार खराब पाचन की वजह से होती है। अगर आप खाने के बाद पेट में भारीपन या गैस महसूस करते हैं, तो सौंफ का सेवन जरूर करें।

पौधों पर आधारित भोजन आपके लिए है फायदेमंद

सेहत को ठीक रखने के लिए प्लांट बेस्ड डाइट की काफी चर्चा होती रही है। कई अध्ययन भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि अगर हम सभी प्लांट बेस्ड डाइट का सेवन बढ़ा दें तो कई प्रकार की गंभीर और क्रॉनिक बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

अच्छी सेहत के लिए खान-पान को ठीक रखना सबसे आवश्यक माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, दैनिक आहार में फलों-सब्जियों की मात्रा बढ़ाने, फैट वाली चीजों को कम करने और नमक-चीनी जैसी हानिकारक चीजों का सेवन कम करने से सेहत को कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं। सेहत को ठीक रखने के लिए प्लांट बेस्ड डाइट की काफी चर्चा होती रही है। प्लांट बेस्ड डाइट यानी मुख्य रूप से पौधों से प्राप्त खाद्य पदार्थ जैसे फल, सब्जियां, अनाज, दालें, बीज, और नट्स। इन चीजों को सेहत के लिए कई प्रकार से लाभदायक माना जाता रहा है।

कई अध्ययन भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि अगर हम सभी प्लांट बेस्ड डाइट का सेवन बढ़ा दें तो कई प्रकार की

गंभीर और क्रॉनिक बीमारियों से बचाव किया जा सकता है।

प्लांट बेस्ड डाइट के बारे में जानिए

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, प्लांट बेस्ड डाइट का मतलब यह नहीं है कि आप मांसाहार नहीं खा सकते। इसका मतलब है कि आपका भोजन ज्यादातर पौधों से प्राप्त चीजों पर आधारित होना चाहिए। इसमें सब्जियों, साबुत अनाज और फल, बीन्स और सीड्स की मात्रा अधिक होनी चाहिए। अच्छी डाइट के लिए अपनी प्लेट का दो-तिहाई हिस्सा इन प्लांट बेस्ड खाद्य पदार्थों से भरें। शेष एक तिहाई हिस्से में चिकन या मछली जैसे लीन प्रोटीन या टोफू-बीन्स जैसे प्लांट बेस्ड प्रोटीन को शामिल किया जा सकता है।

फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर डाइट

कई शोध इस बात की पुष्टि करते हैं कि आहार में प्लांट बेस्ड चीजों को शामिल करके डायबिटीज, हृदय रोग, ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याओं से बचाव किया जा सकता है। प्लांट बेस्ड डाइट में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा अधिक होती है, जो दिल की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मददगार माने जाते हैं। यह रक्तचाप को नियंत्रित करने और कोलेस्ट्रॉल स्तर को कम करने में भी सहायक है। इस तरह की डाइट में कैलोरी की भी मात्रा कम होती है। फाइबर की अधिकता होने के कारण आपका पेट भरा रहता है और खाने की इच्छा कम होती है, इससे वजन कम करने में भी मदद मिलती है।

डायबिटीज रोगियों के लिए भी फायदेमंद

प्लांट बेस्ड डाइट में शामिल अधिकतर चीजों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है जो ब्लड शुगर के स्तर को स्थिर रखते हैं और टाइप-2 डायबिटीज के जोखिम को कम करते हैं। शुगर के मरीज इस तरह के डाइट प्लान से लाभ पा सकते हैं।

पाचन स्वास्थ्य में होता है सुधार

इस तरह के डाइट में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है और कब्ज, पेट फूलना, और अन्य पाचन समस्याओं को कम करने में मदद करता है।

अध्ययन बताते हैं कि पौधों पर आधारित आहार से कैंसर के कुछ प्रकारों का खतरा कम हो सकता है, क्योंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइटोकेमिकल्स की अधिकता होती है।

जानें हवन में क्यों जलाया जाता है नारियल

सनातन धर्म में पूजा-पाठ के दौरान नारियल का विशेष महत्व माना जाता है। इसके बिना पूजा अधूरी मानी जाती है। हिंदू धर्म में किसी भी पूजा-पाठ में नारियल का विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि बिना नारियल के पूजा अधूरी मानी जाती है। यहां तक कि शादी और गृह प्रवेश में भी नारियल का खास प्रयोग किया जाता है, लेकिन हवन के दौरान नारियल को जलाने का विशेष महत्व है। आइए इस लेख में ज्योतिषाचार्य पंडित विजयकांत भट्ट से विस्तार से जानते हैं कि हवन में नारियल क्यों जलाते हैं।

सुख-संपन्नता के लिए जलाते हैं नारियल

हवन के दौरान नारियल इसलिए जलाया जाता है, क्योंकि घर में सुख-समृद्धि का आगमन हो। अगर आपके घर में वाद-विवाद की स्थिति बनी रहती है, तो उसे शांत करने के लिए हवन में नारियल विशेष रूप से जलाने की परंपरा है।

भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को नारियल है प्रिय

भगवान श्री हरि विष्णु (भगवान विष्णु मंत्र) और माता लक्ष्मी को नारियल बेहद प्रिय है। इसलिए हवन में नारियल जलाने से उनकी कृपा बनी रहती है और व्यक्ति के जीवन में चल रही सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं।

मनोकामना पूर्ति के लिए जलाते हैं नारियल

अगर आपकी कोई ऐसी इच्छा है। जो मेहनत करने के बाद भी पूरी नहीं हो रही है, तो हवन करने के दौरान उसमें नारियल आखिर में अवश्य जलाना चाहिए और सभी देवी-देवताओं का नाम जरूर लें।

इससे आपकी मनोकामना पूरी हो सकती है। इतना ही नहीं ऐसा कहा जाता है कि हवन के दौरान सभी देवी-देवताओं का घर में वास होता है। जिससे घर-परिवार में कभी किसी तरह की परेशानी नहीं आती है।

नकारात्मकता दूर करने के लिए जलाते हैं नारियल

हवन करने के दौरान उसमें नारियल जलाने से नकारात्मकता से छुटकारा मिल सकता है। ऐसा कहा जाता है कि नारियल में एक अलग प्रकार की ऊर्जा होती है, जिसके कारण हवन में उसे जलाने से सभी नकारात्मकता उसकजे साथ जलकर भस्म हो जाती है और घर में सुख-शांति का आगमन होता है।

नारियल का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में नारियल का विशेष महत्व है। पौराणिक कथाओं में ऐसा कहा जाता है कि धरती पर नारियल के पेड़ भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी (मां लक्ष्मी मंत्र) ने लगाया था। नारियल के पेड़ को कल्पवृक्ष के नाम से जाना जाता है। उन्हें नारियल बेहद प्रिय है। इसलिए अधिकांश पूजा-पाठ में नारियल का इस्तेमाल खासतौर से किया जाता है।

गुलाब से बने डेजर्ट पर भी आजमाएं हाथ

गुलाब की पंखुड़ियां न केवल खूबसूरती का प्रतीक हैं, बल्कि इनसे बनी मिठाइयां स्वादिष्ट और सेहतमंद भी होती हैं। घर पर ही आसानी से बनाई जा सकने वाली यह मिठाई आपकी मोहब्बत को और भी गहरा कर देगी। इस खास दिन पर गुलाब की पंखुड़ियों से बनी मिठाई खिलाकर आप अपने रिश्ते में मिठास भर सकती हैं और अपने प्यार को एक नया रंग दे सकती हैं। यह रोमांटिक गिफ्ट न केवल स्वाद में लाजवाब होती है, बल्कि दिखने में भी बेहद खूबसूरत लगती है।

गुलाब की खीर

गुलाब की खीर बनाने के लिए सबसे पहले दूध को उबालें और उसमें साफ़ की हुई गुलाब की पंखुड़ियां डाल दें। इलायची पाउडर और चीनी मिलाकर धीमी आंच पर पकाएं। दूध गाढ़ा होने लगे तो आंच बंद कर दें। इसे ठंडा करके ऊपर से कटे हुए बादाम या पिस्ता डालकर सर्व करें।

गुलाब लड्डू

सूखी गुलाब की पंखुड़ियों को दरदरा पीस लें। अब एक बर्तन में खोया को हल्का सा भून लें, उसमें गुलाब पाउडर, नारियल का बुरादा और थोड़ा सा शहद मिलाएं। इस मिश्रण को अच्छी तरह गूंधकर छोटे-छोटे लड्डू बना लें। ये हेल्दी और रोमांटिक मिठाई आपके रोज डे सरप्राइज के लिए एक परफेक्ट विकल्प है।

गुलाब शरबत क्रीम

गुलाब के शरबत में फ्रेश क्रीम मिलाएं और अच्छी तरह फेंट लें। अब इसे कटे हुए ड्राई फ्रूट्स जैसे बादाम, काजू और पिस्ता से सजाएं।

कार्नर न्यूज

व्यस्ततम लाइफ स्टाइल में डिप्रेशन से उबरना बड़ी चुनौती

आपका पार्टनर डिप्रेशन में है तो पहचानिए इन संकेतों से, साथ देकर उबारिए उसे इस हालत से

आज के समय में लोगों की लाइफ इतनी व्यस्त है कि उनकी मेंटल हेल्थ की क्या हालत है इस बारे में भी वो ध्यान नहीं दे पाते। ऐसे में हम यहां आपको कुछ संकेत बताएंगे, जिनकी मदद से आप पहचान सकते हैं कि कहीं आपका पार्टनर डिप्रेशन में तो नहीं....

आज की तेज़ रफ्तार जिंदगी में काम, जिम्मेदारियों और सोशल प्रेशर के बीच लोग अपनी मेंटल हेल्थ पर ध्यान देना भूल जाते हैं। अक्सर इसका असर सबसे पहले रिश्तों पर दिखाई देता है। कई बार पार्टनर के व्यवहार में आए छोटे-छोटे बदलाव को हम मूड स्विंग या थकान समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि वही बदलाव डिप्रेशन का संकेत हो सकते हैं।

डिप्रेशन कोई कमजोरी नहीं, बल्कि एक गंभीर मानसिक स्थिति है, जिसे समय पर समझना और सपोर्ट देना बेहद जरूरी है। अगर आपका पार्टनर पहले जैसा खुश, एक्टिव या बातूनी नहीं रहा है, तो यह सोचने की जरूरत है कि कहीं वह अंदर ही अंदर किसी मानसिक संघर्ष से तो नहीं जूझ रहा। बहुत से लोगों को तो इसके संकेत भी समझ नहीं आते। ऐसे में हम आपको बताएंगे डिप्रेशन के कुछ संकेत,

जिनकी शुरुआत में ही सावधानी बरतना षुरू कर दें।

बातचीत में कमी

अगर आपका अब सवालों के जवाब छोटे देने लगा है या बातचीत से बचने लगा है, तो यह डिप्रेशन का शुरुआती संकेत हो सकता है। ऐसे लोग अक्सर खुद को दूसरों से अलग कर लेते हैं और अपनी भावनाएं साझा नहीं कर पाते।

हमेशा उदास या चिड़चिड़ा रहना

डिप्रेशन में व्यक्ति लगातार उदासी, खालीपन या गुस्से में रह सकता है। छोटी-छोटी बातों पर चिढ़ जाना या बिना किसी खास वजह के परेशान रहना मानसिक तनाव की ओर इशारा करता है।

नींद में बदलाव

अगर पार्टनर को देर तक नींद नहीं आती, बार-बार नींद टूटती है या फिर वह जरूरत से ज्यादा सोने लगा है, तो इसे नजरअंदाज न करें। नींद का बिगड़ना डिप्रेशन का एक आम लक्षण है, जिसके बारे में आपको बात करने की जरूरत है।

डिप्रेशन के कारण कुछ लोग खाने से दूरी बना लेते हैं, जबकि कुछ लोग ज्यादा खाने लगते हैं। अचानक वजन कम होना या बढ़ना भी मानसिक स्वास्थ्य में गड़बड़ी का संकेत हो सकता है।

किसी चीज़ में रुचि न लेना

पहले जिन चीजों से खुशी मिलती थी अब उनमें दिलचस्पी खत्म हो जाना चिंता की बात हो सकती है। तो अगर आपके पार्टनर में अचानक ऐसे बदलाव आए हैं तो संभल जाएं।

बेकार महसूस करना

बार-बार खुद को असफल, बोझ या बेकार कहना डिप्रेशन का गंभीर संकेत है। ऐसे में व्यक्ति का आत्मविश्वास तेजी से गिरने लगता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

एपस्टीन फाइल्स में रैपर जे-जेड समेत हॉलीवुड के बड़े नाम, फैंस हुए हैरान

एपस्टीन फाइल्स से मचे तहलके के बीच अब इसमें कुछ हॉलीवुड सितारों के भी नाम सामने आ रहे हैं। एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि रैपर जे-जेड, पुशा टी और बदनाम डायरेक्टर हार्वे वेनस्टेन के नाम सामने आए हैं, जो एफबीआई को जांच के दौरान टिप में मलिे थे। एपस्टीन फाइल्स में हो रहे खुलासों ने पूरी दुनिया को दंग कर रखा है। आए दिन नए नाम सामने आ रहे हैं, इन नामों से जुड़े काले कारनामों को लेकर ऐसे खुलासे हो रहे हैं कि एक पल के लिए इंसानियत से भरोसा उठ जाए। अमेरिकी सेक्स ऑफेंडर और ह्यूमन ट्रैफिकिंग के दोषी जेफरी एपस्टीन की जांच से जुड़ी इस लाखों पन्नों की फाइल में अब तक 4800 से अधकि बार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जिक्र आया है। अब एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, FBI जांच के कुछ नए पन्नों में दिग्गज रैपर जे-जेड और पुशा टी के साथ-साथ बेहद बदनाम हॉलीवुड मुगल हार्वे वेनस्टेन का भी नाम है। बताया जाता है 25 बार ग्रैमी अवॉर्ड जीत चुके जे-जेड का नाम इसमें कई बार आया है। जानकारी के लिए बता दें कि जेफरी एपस्टीन की साल 2019 में हो चुकी है। लेकिन इसके 6 साल बाद अब एपस्टीन की फाइलें दुनियाभर में कई गिरफ्तारियों का कारण बन रही हैं। दर्जनों राजनीतिक दिग्गजों, बिजनेसमैन और नामी-गिरामी पदाधिकारियों के नाम इन फाइलों में आने के कारण तहलका मचा हुआ है। 'एपस्टीन फाइल्स' जेफरी के जीवन और अपराधों के बारे में जांच के दस्तावेज हैं। एपस्टीन फाइल्स मोटे तौर पर 30 लाख पन्नों का दस्तावेज हैं, जो जेफरी एपस्टीन और उसके सहयोगी घिसलेन मैक्सवेल के यौन तस्करी से संबंधित दो आपराधिक जांच से जुड़ा है।

टॉलीवुड

बेटे ने दिया रहमान के बयान पर रिएक्शन, अलग राह की चर्चा

हाल ही में संगीतकार एआर रहमान ने फिल्म इंडस्ट्री में सांप्रदायिकता की ओर इशारा करते हुए एक बयान दिया, जिस पर बहस जारी है। इस मामले पर रहमान ने सफाई दी है। अब 23 साल के एआर अमीन ने अपने पिता के बयान पर प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में उनका गाना 'भीगी भीगी' रिलीज हुआ है। इस गाने को एआर रहमान ने कंपोज किया है। इसमें मृणाल ठाकुर और दुलकर सलमान ने अभिनय किया है। एआर अमीन इस गाने से बतौर सिंगर-प्रोड्यूसर जुड़े हैं। इंडस्ट्री को लेकर एआर रहमान की टिप्पणी पर करन सिंह ने जताई आपत्ति; कहा- 'यह बयान देश की छवि को खराब करते हैं'
गाना 'भीगी भीगी' के बारे में एआर अमीन ने बताया 'मेरे पिता ने इस पर काम करने के बारे में बताया था। मुझे यह आइडिया अच्छा लगा। गाने में जसलीन रॉयल की आवाज ने गहराई पैदा की। मुझे लगता है कि इसमें सब कुछ बहुत अच्छे से हुआ है। यह गाना बहुत जल्दी बन गया। इसके प्रोसेस को समझना थोड़ा मुश्किल है।'
अपने पिता से अलग अपनी पहचान बनाने के सवाल पर एआर अमीन ने बताया 'मैं अपना रास्ता खुद बना रहा हूं। मैं हर बातचीत में यही कहता हूं। मैं एकदम अलग रास्ते पर हूं। मैं इस जगह के बारे में और जानना चाहता हूं।' एआर अमीन से जब इंडस्ट्री को लेकर उनके पिता के दिए गए बयान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा 'मैं इस विषय से अलग रहना पसंद करूंगा।' हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को लेकर दिए गए अपने बयान पर एआर रहमान ने सफाई दी है और कहा कि उनका इरादा कभी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था। उन्होंने कहा जो लोग उन्हें जानते हैं, उन्हें किसी सफाई की जरूरत नहीं है। एआर रहमान ने बीबीसी एशियन नेटवर्क से बातचीत में कहा था, 'आजकल फिल्म इंडस्ट्री में लोग रचनात्मक नहीं हैं, वो सही ढंग से फैसला नहीं ले सकते ।

भोजपुरी

पवन ने मनोज को बताया भोजपुरी इंडस्ट्री का 'बॉस', लिखा बेहद खास मैसेज

भोजपुरी सिनेमा जगत के चर्चित एक्टर, सिंगर और भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने एक फरवरी को जन्मदिन मनाया। इस मौके पर तमाम फैंस और सितारों ने उन्हें शुभकामनाएं दी। मगर, भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह ने खास मैसेज लिखा है। बधाई देते हुए पवन सिंह ने मनोज तिवारी को इंडस्ट्री का 'बॉस' कहा।
पवन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने मनोज तिवारी के साथ अपनी फोटो साझा करते हुए लिखा है, 'भोजपुरी इंडस्ट्री के बॉस, सांसद हमारे मनोज तिवारी भैया को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं'। साझा तस्वीर में पवन सिंह और मनोज तिवारी गले मिलते दिख रहे हैं। मनोज तिवारी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से भी एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वे पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जन्मदिन का उत्सव मनाते दिख रहे हैं। 11 मूर्ति पर आयोजित जन्मदिन के आयोजन में दूर-दराज से फैंस और कार्यकर्ता उन्हें बधाई देने आए हैं। मनोज तिवारी ने अपने करियर की शुरुआत बतौर गायक की थी। इसके बाद उन्होंने हाफ पैंट वाली से हमरा त लब हो गईल, गोरिया चांद के अजोरियां नियर गोर बाड़ू हो और गैंग्स ऑफ वासेपुर के लिए 'जिया हो बिहार के लाला' गाया, जो काफी हिट हुए। उनका गाना 'चट देनी मार देत खींच के तमाचा, हीही हंस देले..रिंकिया के पापा', लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है। अभिनेता ने साल 2004 में फिल्म 'ससुरा बड़ा पईसावाला' से भोजपुरी इंडस्ट्री में डेब्यू किया था।

लौटती सर्दी

यह लौटती हुई सर्दियों का एक ज़रूरी हिस्सा है जो साल के हिसाब से ज़ोरदार तरीके से वापस आता है। लेकिन 2025-2026 के सर्दियों के मौसम के लिए, फर कोट पक्का फैशन में हैं। चाहे टेक्सचर्ड हों, योक से सजे हों, छोटे या लंबे हों, वॉल्यूमिनस हों या सीधे, स्ट्रीटवियर डिटेल्स से सजे हों या वाइल्ड कॉलर वाले हों। फर वाले कपड़े स्टाइलिश लुक के लिए अपनाए जाने चाहिए। सेंट लॉरेंट, डोल्से एंड गब्बाना और प्राडा में देखे गए कुछ डिजाइन फिलहाल ट्रेंड में है।

लाइफ स्टाइल

कैसे कम होगी दोमुंहे बालों की समस्या ? जानें घरेलू नुस्खे

बालों को दोमुंहे होने से बचाने के लिए आप भी एक्सपर्ट द्वारा बताई गईं इन घरेलू टिप्स को ट्राई करके देख सकती हैं। त्वचा की तरह बालों में भी विभिन्न समस्याएं होती है। किसी के बाल रूखे होते हैं, तो किसी के ऑयली। किसी को बालों में वॉल्यूम कम होने की शिकायत होती है, तो किसी को पतले बालों की टेंशन होती है। इन सबके अलावा बालों के दोमुंहे होने की समस्या भी बेहद आम है। यदि आप बालों की ठीक से केयर नहीं कर रही हैं और बालों तक उचित पोषण नहीं पहुंच रहा है तो बालों का दोमुंहा होना तय है। हालांकि, आप इसकी रोकथाम पर काम कर सकती हैं और कुछ घरेलू नुस्खों को अपना कर इस समस्या से मुक्ति पा सकती है। हमने दोमुंहे बालों की समस्या के निदान ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू माहेश्वरी से पूछे हैं। रेनू जी कहती हैं, ₹बालों में प्रोटीन की उचित मात्रा पहुंचती रहे तो यह बहुत जरूरी है और हमारी रसोई में ही आपको ऐसे बहुत सारी सामग्रियों मिल जाएंगी, जो बालों पर प्रोटीन ट्रीटमेंट का काम करेंगी।₹

क्या होते हैं दोमुंहे बाल?

बालों की लेंथ के अंत में या उससे कुछ ऊपर, जब एक ही बाल के दो मुंह दिखने लगे, तो इस स्थिति को दोमुंहे बाल कहा जाता है। यह समस्या बालों के लुक को ही खराब नहीं करती है, बल्कि बालों कमजोर बनाती है और कई बार बाल बीच से टूटना शुरू हो जाते हैं। यह स्थिति बालों को बहुत ज्यादा भद्दा दिखाती है।
क्यों हो जाते हैं बाल दोमुंहे?
बालों के दोमुंहे होने के कई कारण होते हैं। यदि आपके बाल बहुत अधिक ड्राई हैं, तो दोमुंहे बालों के होने की संभावना बढ़ जाती है। बालों

में आप यदि बहुत अधिक केमिकल ट्रीटमेंट कराती हैं या फिर हीट इक्युपमेंट का इस्तेमाल करती हैं, तो आपको दोमुंहे बालों की दिक्कत हो सकती है। बालों में आप यदि सन प्रोटेक्शन का इस्तेमाल नहीं करती हैं, तो इससे भी आपको दोमुंहे बालों की दिक्कत हो सकती हैं।

दोमुंहे बालों के लिए घरेलू उपाय

सप्ताह में कम से कम आपको 2 बार बालों में नारियल का तेल लगाना चाहिए। इससे आपके बालों में मॉइश्चर भी रहता है और बालों में प्रोटीन की भी उचित मात्रा पहुंच जाती है। बेस्ट है कि आप रात में सोने से पहले बालों में नारियल का तेल लगा लें। इसके बाद आप सुबह बालों को शैंपू से वॉश कर दें। बालें में बादाम का तेल लगाने से भी आपको बहुत फायदे मिलेंगे। इसमें विटामिन-ई प्रचुर मात्रा में होता है, यह बालों के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद होता है। आप इसे बालों में डायरेक्ट भी लगा सकती हैं और चाहें तो ऑलिव या कोकोनट ऑयल में मिक्स करके भी इसे लगा सकती हैं।

वेस्टर्न ड्रेस के साथ ये चूड़ी डिजाइन पहनने के बाद हाथ लगेंगे खूबसूरत

अगर आपको हाथ खाली-खाली नजर आ रहे हैं तो इसके लिए आप वेस्टर्न वियर के साथ आप आर्टिकल में बताए गए चूड़ी डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। वेस्टर्न आउटफिट्स को स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। इसके साथ हम कई तरह के अलग-अलग डिजाइन के कपड़े और एक्सेसरीज को स्टाइल करते हैं, ताकि आउटफिट भी अच्छा लगे और हमारा लुक भी सबसे अलग नजर आए। लेकिन हाथों में हम सिर्फ घड़ी ही पहनते हैं। इस बार घड़ी को हटाकर हाथों में आर्टिकल में बताई गई चूड़ियों को ट्राई करें। इससे आपके हाथों की सुंदरता में चार चांद लग जाएंगे।

हैंडकफ बैंगल्स

आप वेस्टर्न ड्रेस के साथ हैंड कफ बैंगल्स वियर कर सकती हैं। इस तरह की बैंगल्स दिखने में काफी स्टाइलिश लगती हैं लेकिन पहनने के बाद लुक को एलीगेंट बना देती हैं। इसमें एक के साथ साड़ी चूड़ियां जुड़ी हुई होती हैं। जिसे आप जाल भी कह सकते हैं। इसे आप कड़े की तरह हाथों में डाल सकती हैं और हाथों में स्टाइल कर सकती हैं। इस तरीके की चूड़ियां आपको मार्केट में 100 से 200 रुपये में मिल जाएगी।

गोल्डन बैंग्लस सेट

गोल्डन चूड़ियों को भी आप वेस्टर्न ड्रेस के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की चूड़ियां गाउन, वन पीस ड्रेस यहां (ऑक्सीडाइज्ड बैंग्लस) तक की जींस और टॉप के साथ अच्छी लगती हैं। इसमें आप चाहे तो सिल्वर कलर के चूड़ी के ऑप्शन को भी ट्राई कर सकती हैं, इसमें जो चूड़ियां मिलती हैं वो मेटल में आती हैं इसलिए ये ज्यादा लंबे समय तक चलती हैं। मार्केट से ये आपको 200 से 250 रुपये में मिल जाएगी।

कोड़ी वाली चूड़ियां

अगर आप कुछ बोहो स्टाइल की वेस्टर्न ड्रेस वियर कर रही हैं तो इसके साथ आप कोड़ी बैंगल्स को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के डिजाइन (कड़ा डिजाइन) की चूड़ियां आजकल काफी ट्रेंड में है। इसमें आपको मल्टीकलर कोड़ी और व्हाइट हर तरह की कोड़ी मिल जाएगी। जिसे आप अपने आउटफिट के साथ मैच करके वियर कर सकती हैं। ट्रेंड में होने की वजह से ये आपको मार्केट में काफी ज्यादा रेट पर मिलेगी।

फ्रंट नेकलाइन के लिए ट्राई करें ब्लाउज के ये डिजाइंस, लुक लगेगा खूबसूरत

ब्लाउज आजकल हर एक आउटफिट के साथ स्टाइल किया जाता है। चाहे वो ओपन जैकेट वाले आउटफिट्स हो या फिर साड़ी। इसके लिए अलग-अलग डिजाइन को ट्राई करते हैं। कई बार ऐसा होता है कि रेडीमेड ब्लाउज खरीदने पर हमें उसमें सेम डिजाइन मिलते हैं। जिन्हें वियर करके हम बोर हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप कुछ नए डिजाइन को ट्राई करें, जिसमें फ्रंट नेक का डिजाइन अलग तरीके से बनाया हो, इसके लिए आप आर्टिकल में बताए गए डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं और ब्लाउज को सिलवाते समय कुछ नया डिजाइन क्रिएट करा सकती हैं।

इल्यूजन ब्लाउज डिजाइन

इल्यूजन के जरीए चीजें दिखती हैं ऐसा कई बार सुना होगा। लेकिन ब्लाउज में भी इस तरह के डिजाइन को भी क्रिएट किया जाता है। इसके लिए मोटे फेब्रिक का इस्तेमाल करके नीचे के ब्लाउज को तैयार किया जाता है। फिर नेक पर नेट का इस्तेमाल करके इसे राउड नेक की तरह डिजाइन किया जाता है। इस तरीके के ब्लाउज को इल्यूजन ब्लाउज डिजाइन कहते

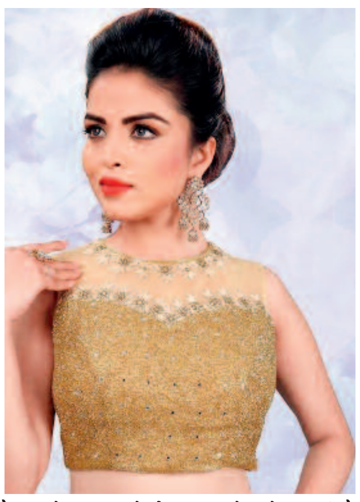

हैं। इसमें आप चाहे तो सिंपल नेट ले सकती हैं वरना वर्क वाली नेट भी आपको मिल जाती है, जिससे आप ब्लाउज तैयार करा सकती हैं।

लीफ ब्लाउज डिजाइन

ऐसा जरूरी नहीं है कि सिर्फ ब्लाउज के बैक पर ही डिजाइन क्रिएट किया जाता है।

मेकअप करने के बाद चेहरे पर होने लगती है खुजली, तो एक्सपर्ट से जानिए क्या है वजह

हर लड़की को मेकअप करना काफी पसंद होता है। इसलिए वो अलग-अलग तरीके के प्रोडक्ट को खरीदती हैं और उन्हें ट्राई करती हैं। कई बार ऐसा होता है कि वो महंगे-महंगे प्रोडक्ट को खरीदती हैं ताकि जब चेहरे पर अप्लाई करें तो वो खूबसूरत नजर आए। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि मेकअप के इस्तेमाल के बाद चेहरे पर खुजली होनी शुरू हो जाती है, जिसे हम इग्नोर कर देते हैं। मगर आपको ऐसा बिल्कुल भी नहीं करना है, वरना आपकी स्किन डैमेज हो सकती है, साथ ही आपको तुरंत एक्सपर्ट की सलाह लेनी चाहिए। ऐसे ही एक एक्सपर्ट ने अपनी राय हमारे साथ शेयर की जिनका नाम शीना जे कौर है, आपको बता दें कि ये एक फेमस मेकअप आर्टिस्ट हैं

जो अक्सर ऐसी वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं। आप भी जानें इनके बताए गए तरीके।

स्किन टाइप का रखें ध्यान

जब भी आप मेकअप खरीदने जाएं तो सबसे पहले इस बात का ध्यान रखें कि वो किसी ब्रांड का हो। ऐसा इसलिए क्योंकि लोकल प्रोडक्ट के इस्तेमाल से आपकी स्किन पर एलर्जी हो सकती है। इन्हें लगाने के बाद खुजली और जलन पैदा हो सकती है। ऐसे में जरूरी है कि आप स्किन टाइप का ध्यान रखकर ही प्रोडक्ट की खरीदारी करें, ताकि जब आप स्किन पर इसे अप्लाई करें तो उसके बाद खुजली महसूस न हो।

ब्रश को रखें साफ

मेकअप करने के लिए हम ब्लेंडर और ब्रश का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इन्हें साफ करना अक्सर भूल जाते हैं। लेकिन ऐसी गलती (मेकअप टिप्स) न करें इससे आपकी स्किन डैमेज हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि आप एक बार मेकअप करने के बाद ब्रश को अच्छे से साफ करें।

कार्नर न्यूज

तैयारी वैलेंटाइन डे की, जान लें जरूरी टिप्स

बनाएं खुद को अट्रैक्टिव और फैशन के जादू से अपनी लेडी लव को लाएं करीब

पुरुष कैसे कपड़े पहनें जो लड़कियों को देखने में अट्रैक्टिव लगें? ज्यादातर पुरुषों के दिमाग में ऐसे सवाल आते हैं। क्योंकि हम अच्छी तरह से ड्रेस अप अपने आप को निखारने के लिए करते हैं। यही बात आपको हजारों की भीड़ में किसी के लिए खास बना देती है। इसलिए फैशन सेंस को महत्वपूर्ण माना जाता है। खासकर, अगर आप डेटिंग की सोच रहे हैं या अपनी क्रश को इंप्रेस करना चाहते हैं तो ये और भी महत्वपूर्ण बन जाता है। क्योंकि आप उसके करीब रहना चाहते हैं और उसे अपने पास बनाए रखना पसंद करते हैं। मगर अपीलिंग फैशन के लिए कोई गारंटी वाला फार्मूला नहीं है। हां, हम यहां पर ऐसी कुछ बातें जरूर बताएंगे। जिससे आपके लिए फैशन से आकर्षित करना आसान हो जाएगा। लेकिन ये भ्रम न पालें कि लड़की दौड़ी चली आएगी और लिपट जाएगी। जैसा कि कई परफ्यूम ब्रांड वाले अपने विज्ञापन में दिखाते हैं। अब हम अपने फैशन में करने वाले बदलाव की बात करते हैं-

ट्रेंडी ड्रेस पहनें

फैशन हर साल बदलता है। इसलिए सबसे पहले सीजन का खास ख्याल रखें। गर्मी के मौसम में ट्रेंडी समर ड्रेस पहनें। इसके अलावा सर्दी में विंटर ड्रेस पहनें। मगर

पुरानी ड्रेस को अलविदा कहना होगा। आपको अपने वार्डरोब में कुछ नए कपड़े शामिल करने होंगे। जैसे- कई लड़के अपनी गर्मी की टी-शर्ट को बदलने का नाम नहीं लेते। कम से कम 3-4 साल तक उसको पहनते रहते हैं। ऐसे में उस कपड़े से नई जैसी चमक चली जाती है जिससे आप डल दिखाई देते हो। इसलिए हमेशा टॉप वियर को हर साल बदल दें।

फंकी न बनें

आप अपनी क्रश को इंप्रेस करने के लिए फंकी बनकर न जाएं। फंकी लुक गलत नहीं है। मगर बहुत कम लड़कियों को ऐसे में लुक वाले लड़के पसंद आते हैं। इसलिए अगर आप पंजाबी गानों से बहुत अधिक प्रभावित होकर खुद को फंकी न बनाएं।
आप ऐसे ड्रेस पहनें जिसमें कूल दिखें। क्लासी लुक वाले लड़के अधिक अपीलिंग होते हैं। इसलिए खुद को फंकी लुक से दूर रखें। हालांकि ये बात सेलेब अप्रूव्ड भी है। एक्टर नीरज ने भी डेटिंग के लिए ड्रेसिंग टिप्स दिए जिसमें कि फंकी ड्रेस से दूर रहने की सलाह दी।

पहनें एक शानदार घड़ी

यहां पर हम एक शानदार दिखने वाली घड़ी की बात कर रहे हैं न कि, महंगी या लग्जरी घड़ी। अगर आपकी कलाई में एक शानदार दिखने वाली घड़ी है तो ये आपके फैशन को नेक्स्ट लेवल पर लेकर जाएगी। इससे आप और भी आकर्षक दिखेंगे।
इसके लिए आप अपनी खातिर एक परफेक्ट घड़ी खरीदें, जो दिखने में अच्छी हो। आप अपने लिए मेटल वॉच या लेदर बेल्ट वाली घड़ी ले सकते हैं। मगर उनको अपनी ड्रेस की मैचिंग के हिसाब से पहनें।
जैसे- फॉर्मल लुक के साथ मेटल वॉच और कैजुअल लुक के लिए लेदर बेल्ट वाली घड़ी सही रहेगी। मगर ऐसे मेटल को पहनें जो दिखने में चमकीला हो। ताकि दूर से ही नजर आए।

चप्पल नहीं, पहनें जूते

चप्पल पहनकर कहीं भी नहीं जा सकते हैं। इस बात अच्छी तरह याद कर लें। शूज के मुकाबले चप्पल कम आकर्षक होता है। इसलिए जब बात किसी को आकर्षित करने की हो या इंप्रेशन जमाने की हो तो अपनी ड्रेस के हिसाब से परफेक्ट मैचिंग वाला शूज पहनकर जाएं।